

पूरब टाइम्स

जिसे सब छुपाते हैं  उसे हम छापते हैं...

वर्ष 15, अंक - 62 RNI/CHHBIL/44259 |छत्तीसगढ़ से प्रसारित नं.-1 लोकल दैनिक अखबार

रक्षा और रणनीतिक सहयोग के एजेंडे के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युद्ध खत्म करने तथा शांति की दिशा में आगे बढ़ने की भारत की स्पष्ट सोच रखी

भारत की राजधानी दिल्ली में सुहावने मौसम के बीच जब दो मित्र देश भारत और रूस के राष्ट्राध्यक्ष मिले तो द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने, व्यापार बढ़ाने, रक्षा सौदों आदि को लेकर तो व्यापक वार्ता हुई ही साथ ही यूक्रेन युद्ध का मुद्दा भी प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समक्ष बड़ी प्रमुखता से उठाया। इसके अलावा, दोस्त भारत के लिए रूस ने जिस तरह एक से एक घातक रक्षा उपकरण और तकनीक देने के प्रस्ताव सामने रख दिये हैं उससे पूरी दुनिया में खलबली मच गयी है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जब भी साथ होते हैं, तो उनकी बातचीत ही नहीं, उनके हावभाव भी दुनिया को कई बड़े संदेश देते हैं, इस बार भी ऐसा ही हुआ। BRICS शिखर सम्मेलन से पहले मोदी और पुतिन की करीब 45 मिनट चली द्विपक्षीय बातचीत और उसके बाद दोनों नेताओं का एक ही कार में भारत मंडपम पहुंचना उस भरोसे का संकेत है जिसने दशकों पुराने भारत-रूस संबंधों को बदलती विश्व व्यवस्था में भी मजबूती से टिकाए रखा है।

हम आपको बता दें कि इस वर्ष दोनों नेताओं की यह दूसरी बैठक है। बैठक में भारत-रूस द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की गई, जिसमें राजनीति, अर्थव्यवस्था, रक्षा,



ऊर्जा, अंतरिक्ष, कौशल गतिशीलता और जन-जन संपर्क जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल रहे। दोनों नेताओं ने 9 से 11 सितंबर तक पहली बार भारत में आयोजित रूस की अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक प्रदर्शनी ‘INNOPROM India’ का भी दौरा किया और प्रतिभागियों से बातचीत की। इसके अलावा ब्रिक्स में भारत की 2026 की अध्यक्षता, पश्चिम एशिया और काला सागर क्षेत्र के संघर्षों सहित विभिन्न क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने संघर्षों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति को आगे बढ़ाने की

आवश्यकता दोहराते हुए शांति प्रयासों में भारत की भूमिका की पेशकश की। दोनों नेताओं ने भारत-रूस विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति जताई। इस दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी को 24वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूस आने का निमंत्रण दिया, जिसे प्रधानमंत्री ने स्वीकार कर लिया। सम्मेलन की तारीख आपसी सहमति से राजनयिक माध्यमों के जरिए तय की जाएगी।

साथ ही दिलचस्प और बेहद महत्वपूर्ण बात यह भी है कि रक्षा और रणनीतिक सहयोग के इतने बड़े एजेंडे के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज की बातचीत में भी यूक्रेन युद्ध का मुद्दा उठाया और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सामने युद्ध खत्म करने तथा शांति की दिशा में आगे बढ़ने की भारत की स्पष्ट सोच रखी। हम आपको यह भी याद दिला दें कि करीब 11 दिन पहले यानि 31 अगस्त को भी किर्गिस्तान के बिश्केक में SCO शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी ने पुतिन से सीधे कहा था कि अब दुनिया को "अनंत युद्ध" से निकलकर "युद्ध की समाप्ति" की ओर बढ़ना चाहिए और हर दिन जारी रहने वाला युद्ध मानवता को पीछे धकेलता है।

सलमान खुर्शीद ने दिल्ली समिट में विपक्ष को शामिल करने की मांग की

नई दिल्ली। सलमान खुर्शीद ने आगामी ब्रिक्स समिट में भारत का प्रतिनिधित्व पूरे देश का होने की वकालत की है, जिसमें केंद्र सरकार के साथ विपक्ष की भी भागीदारी हो। उन्होंने ब्रिक्स को दुनिया की आधी आबादी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह ग्लोबल नॉर्थ और ग्लोबल साउथ के बीच एक महत्वपूर्ण पुल है, जिसकी अध्यक्षता में भारत की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। खुर्शीद ने 12-13 सितंबर को होने वाली दिल्ली समिट में विपक्ष को शामिल कर इसे एक राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व का स्वरूप देने की अपील की।

सीनियर कांग्रेस नेता और पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने गुरुवार को कहा कि 18वें ब्रिक्स समिट में भारत का प्रतिनिधित्व सिर्फ केंद्र सरकार का नहीं, बल्कि पूरे देश का होना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील की कि 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले इस



समिट के लिए बातचीत में विपक्ष को भी शामिल किया जाए। ANI से बात करते हुए खुर्शीद ने ब्रिक्स के महत्व पर जोर दिया और कहा कि यह समूह दुनिया की आबादी, व्यापार और उभरती हुई आर्थिक ताकत के एक बड़े हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा कि हर कोई ब्रिक्स के महत्व को समझता और मानता है। जब दुनिया की आधी आबादी ब्रिक्स से जुड़ी हो, तो आप बस आँखें बंद करके उस आधी आबादी को नजरअंदाज नहीं कर सकते।

खुर्शीद ने बताया कि BRICS उन उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ लाता है जिनके भविष्य में ग्लोबल इकॉनमी पर छा जाने की उम्मीद है, साथ ही यह छोटे विकासशील देशों और ‘ग्लोबल साउथ’ के देशों का भी प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा कि ये वे अर्थव्यवस्थाएं हैं जो आने वाले समय में दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं बनेंगी। साथ ही, ये छोटे देशों और ‘ग्लोबल साउथ’ का भी प्रतिनिधित्व करती हैं।

BRICS को विकसित देशों और विकासशील देशों के बीच एक संभावित पुल बताते हुए खुर्शीद ने कहा कि BRICS को एक पुल के तौर पर भी देखा जा सकता है—ग्लोबल नॉर्थ और ग्लोबल साउथ के बीच का पुल, और वह पुल BRICS है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह अत्यधिक विकसित, विकासशील और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को आपस में जोड़ता है।

यूपी की सभी 80 सीटें जीतने पर भी ईवीएम का विरोध जारी रहेगा-सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर स्पष्ट किया कि पार्टी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के खिलाफ है और चुनावी नतीजों के बावजूद यह रुख कायम रहेगा। उन्होंने भाजपा सरकार पर आजम खान के साथ अन्याय करने और अल्पसंख्यकों को जानबूझकर निशाना बनाने का आरोप लगाया।

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के खिलाफ है और उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटें जीतने के बाद भी उसका रुख नहीं बदलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार सपा नेता मोहम्मद आजम खान के साथ जानबूझकर अन्याय कर रही है, ताकि अल्पसंख्यक समुदाय को संदेश दिया जा सके। लखनऊ में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अखिलेश ने कहा, समाजवादी पार्टी ईवीएम के खिलाफ है।

मैंने पहले भी कहा है कि भले ही समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटें जीत जाए, तब भी वह ईवीएम के खिलाफ है। आजम खान से जुड़े सवाल पर अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार सपा के वरिष्ठ नेता के साथ लगातार अन्याय कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार जानबूझकर अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बना रही है, ताकि एक संदेश दिया जा सके।

उन्होंने कहा, इस सरकार में अल्पसंख्यकों के साथ अन्याय किया जा रहा है। अखिलेश ने सहारनपुर में एक मस्जिद के ध्वस्तीकरण का जिक्र करते हुए दावा किया कि इसे 12 घंटे के भीतर गिरा दिया गया। उन्होंने कहा कि एक अन्य स्थान पर भी मस्जिद की जांच की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा सरकार संदेश देने के लिए अन्याय और अत्याचार कर रही है। कथित अवैध इमारतों के खिलाफ कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए अखिलेश ने कहा कि दिल्ली में एक इमारत गिरने से छात्रों



की मौत हो गई थी और पूछा कि क्या वह अवैध निर्माण नहीं था। उन्होंने भाजपा पर बढ़ती महंगाई से ध्यान भटकाने के लिए देश में सांप्रदायिक माहौल बनाने का आरोप लगाया और कहा कि सत्तारूढ़ दल महिलाओं, पिछड़े वर्गों, दलितों और आदिवासियों को आश्रय देने के खिलाफ है।

मुजफ्फरनगर दंगों की 11वीं बरसी मनाने और कुछ स्थानों पर हिंसा से जुड़े पोस्टर लगाए जाने के सवाल पर यादव ने कहा कि भाजपा सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के जरिए चुनाव जीतना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा देश में सांप्रदायिक माहौल बनाना चाहती है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, महंगाई उनके लिए कोई मुद्दा नहीं है और न ही कोई अन्य मुद्दा।देखिए महंगाई किस तरह बढ़ रही है। ऐसी कौन सी चीज है जो महंगी नहीं हुई है? वे न तो यह स्वीकार कर रहे हैं कि महंगाई है और न ही इस समस्या का समाधान कर रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपने लोगों को सुनाफ कमाने और भ्रष्टाचार करने की अनुमति दे रही है, जिसकी वजह से महंगाई बढ़ रही है। अखिलेश ने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के सरकार के दावों पर सवाल उठाते हुए झांसी की एक घटना का जिक्र किया, जिसमें कथित तौर पर एक गरीब व्यक्ति अपनी पत्नी का शव अस्पताल से घर नहीं ले जा सका और अंतिम संस्कार भी नहीं कर पाया तथा उसे शव नदी में फेंकना पड़ा।

बिहार में लगातार बारिश और नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण 15 जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर

बिहार। 15 जिलों में 46 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। शुरुवार को भी हालात गंभीर बने रहे क्योंकि कई जगहों पर पानी का स्तर खतरे के निशान से ऊपर बढ़ रहा था। अधिकारियों के मुताबिक, राज्य भर में लगातार बारिश और नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण नदियाँ और नाले उफ़न पर हैं। आपदा प्रबंधन विभाग (DMD) की ओर से जारी ताज़ा बुलेटिन के अनुसार, 15 जिलों के 88 ब्लॉकों की 561 ग्राम पंचायतों में लगभग 46.88 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

प्रभावित जिलों में पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया, मधेपुरा और अररिया शामिल हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में भागलपुर, पटना, सारण, वैशाली, बेगूसराय, कटिहार, पूर्णिया और बक्सर शामिल हैं। बिहार मौसम विज्ञान सेवा केंद्र के अनुसार, राज्य में सितंबर में अब तक 90 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य से 20 प्रतिशत ज्यादा है।

अपने ताज़ा बुलेटिन में, DMD ने बताया कि शुरुवार सुबह 6 बजे भागलपुर के सुल्तानगंज में गंगा नदी 36.62 मीटर के स्तर पर बह रही थी, जो खतरे के निशान से 2.12 मीटर ऊपर है। पानी का बहाव कम हो रहा है। डूमरिया घाट पर गंडक, बलतारा और कुरसेला

में कोसी, खगड़िया में बूढ़ी गंडक, दीघा, गांधी घाट, हाथीदह, भागलपुर, कहलगांव और मुंगेर में गंगा, श्रीपालपुर में पुनपुन, बेनीबाद में बागमती, और दरौली व गंगपुर सिसवन में घाघरा नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। बुलेटिन में कहा गया है कि बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए अलग-अलग जिलों में कुल 1,194 कम्युनिटी किचन (सामुदायिक रसोई) चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा, 15 राहत कैंप भी चल रहे हैं, जहाँ 11,255 बाढ़ पीड़ितों के लिए रहने, खाने, मेडिकल सुविधा और दूसरी जरूरी सेवाओं का इंतजाम किया गया है।

बाढ़ से प्रभावित लोगों के बीच अब तक लगभग 3.10 लाख पॉलीथीन शीट और 48,300 सूखे राशन के पैकेट बांटे जा चुके हैं। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और आवाजाही के लिए कुल 1,922 नावें चलाई जा रही हैं। साथ ही, अब तक 7,535 किंटल पशु चारा भी बांटा गया है।



महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने लंदन में भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली से सद्भावना मुलाकात की

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने लंदन में भारतीय क्रिकेट स्टार विराट कोहली से मुलाकात की। शिंदे के मुताबिक, यह मुलाकात एक सद्भावना भेंट थी। विराट कोहली लंदन में रहते हैं और जब उन्हें पता चला कि एकनाथ शिंदे भी लंदन में हैं, तो उन्होंने उनसे मुलाकात की।

विराट कोहली के सादगी भरे अंदाज से प्रभावित हुए शिंदे

मुलाकात के बाद एकनाथ शिंदे ने विराट कोहली की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि इतने बड़े क्रिकेटर और सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल विराट कोहली का व्यवहार बेहद सहज और जमीन से जुड़ा हुआ है। शिंदे ने बताया कि वह पहले भी विराट से मिल चुके हैं, लेकिन इस बार दोनों के बीच काफी सीधी और अच्छी बातचीत हुई।

महाराष्ट्र के विकास और इंफ्रस्ट्रक्चर पर भी हुई बात एकनाथ शिंदे ने बताया कि मुलाकात के दौरान महाराष्ट्र में चल रहे विकास कार्यों और इंफ्रस्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर भी चर्चा हुई। उन्होंने विराट कोहली को ‘थर्ड मुंबई’ प्रोजेक्ट, अटल सेतु, बालासाहेब ठाकरे समृद्धि महामार्ग, कोस्टल रोड और मेट्रो जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स के बारे में जानकारी दी।

इसके अलावा स्कूल, हेल्थकेयर और महाराष्ट्र सरकार की अलग-अलग योजनाओं पर भी चर्चा हुई। शिंदे ने



कहा कि उन्होंने राज्य में हो रहे बदलाव और भविष्य की योजनाओं के बारे में विराट को बताया। युवाओं और खेल प्रतिभाओं को लेकर भी चर्चा मुलाकात में युवाओं को आगे बढ़ाने और उनकी प्रतिभा को निखारने के तरीकों पर भी बातचीत हुई। शिंदे के मुताबिक, विराट कोहली ने नई पीढ़ी को प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने और युवा प्रतिभाओं को सही दिशा देने को लेकर कुछ अहम सुझाव दिए। एकनाथ शिंदे ने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं और उनकी प्रतिभा को सही मंच देना महाराष्ट्र के साथ-साथ पूरे देश के लिए फायदेमंद होगा।

लंदन क्यों गए हैं एकनाथ शिंदे?

एकनाथ शिंदे लंदन में वर्ल्ड लीडरशिप इंडो-बिजनेस फोरम इंटरनेशनल कॉन्फ्लेव 2026 में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। इसी दौरान उनकी विराट कोहली से मुलाकात हुई।

जीवन मंत्र

क्या अमीर मरने की हसरत है जो मुफ़्लिसी (गरीबी) में ज़िंदगी गुज़ारते हो ?



बचपन में राशन की लाइन् में, जवानी में नौकरी की जद्दोजहद और पूरी उम्र ‘पाई-पाई’ बचाने का अनुशासन—यही हमारी पीढ़ी की वंशावली है। हमने ऑटो का किराया बचाने के लिए मीलों पैदल सफ़र किया और कॉलर फ़र्न तेक कमीजों का साथ नहीं छोड़ा। हमने अपनी इच्छाओं की बलि इसलिए दी ताकि बच्चों का भविष्य स्वर्णिम हो और समाज में सिर उठाकर कह सकें कि यह फ़हमारा घरफ़ है।आज रिटायरमेंट के बाद बैंक बैलेंस तो रईसों वाला है, लेकिन मानसिकता अब भी उसी ‘कंजूस संघर्षकर्ता’ की है। विडम्बना देखिए, हम करोड़ों की संपत्ति पर कुंडली मारकर बैठे हैं, पर रात को दो घंटे ‘एसी’ सिर्फ़ इसलिए बंद कर देते हैं कि बिजली का बिल चंद रुपये कम आए। हम उस ब्याज को बचाने में अपनी वर्तमान सारेस गिरवी रख रहे हैं, जिसे अंततः उन्हीं बच्चों को मिलना है जो शायद हमारी बचत की परवाह भी नहीं करते। हम आने वाले ‘अज्ञात कल’ के डर में आज के ‘जीवंत पल’ की हत्या कर रहे हैं। सत्य तो यह है कि मेडिकल व कुछ इमरजेंसी का एक हिस्सा अलग रखकर भी हम एक आलीशान जीवन जी सकते हैं। इंटरनेट पर उपलब्ध कैलकुलेटर चिल्ला-चिल्ला कर कह रहे हैं कि आप अपनी जमा पूंजी खर्च नहीं कर पाएंगे, पिछ भी हम ‘कंजूस’ मरना पसंद करते हैं, ‘रईस’ जीना नहीं। मेरे हमउम्र मित्रों, याद रखिए—वसीयत में सिर्फ़ धन छोड़कर जाना उपलब्धि नहीं है, बल्कि अपनी मेहनत की कमाई को खुद पर मुस्कुराते हुए खर्च करना भी असली जीत है। अपनी असुरक्षा की बेड़ियों को काटिए। जान लीजिये , हम रईस ‘मरने’ के लिए नहीं, बल्कि रईसी के साथ ‘जीने’ के लिए बूढ़े हुए हैं।

इंजी. मधुर चितलांग्या व्यंगकार व संपादक दैनिक पूरब टाइम्स

अपन तो कहेंगे : जब कोई विकल्प ही नहीं दिखता, तो कुछ भ्रमित लोग उम्मीद भी चश्मे का नंबर बदलकर ही देखते हैं।

सार-संक्षेप

मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु सहायता योजना के तहत मिला एक लाख रुपये का आर्थिक संबल

दुर्ग। ग्राम जंजगिरी निवासी 52 वर्षीय उमा बाई साहू के पति स्वर्गीय जितेन्द्र कुमार साहू के आकस्मिक निधन के बाद परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया था। पति के निधन से परिवार की जिम्मेदारियाँ अचानक उमा बाई के कंधों पर आ गई। घर की कमजोर आर्थिक स्थिति के बीच तीन बेटियों की पढ़ाई और भविष्य की चिंता भी उनके सामने थी ऐसे कठिन समय में छ्तीसगढ़ शासन की मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु सहायता योजना उनके परिवार के लिए आर्थिक संबल बनकर सामने आई। स्वर्गीय जितेन्द्र कुमार साहू के नाम से अमरगठित श्रमकार्ड खेतिहर मजदूर के रूप में पंजीयन दर्ज था। उमा बाई ने इस श्रमकार्ड के माध्यम से मुख्यमंत्री मृत्यु सहायता योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन किया। आवेदन के बाद क्षम विभाग द्वारा उन्हें एक लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। आर्थिक सहायता मिलने से उमा बाई को परिवार की जरूरतों को पूरा करने और बेटियों की पढ़ाई एवं भविष्य से जुड़ी जिम्मेदारियों को संभालने में काफी राहत मिली।

निगम आयुक्त ने ली बैठक

गणेश उत्सव व्यवस्था समेत विभिन्न कार्यों की समीक्षा

भिलाईनगर। भिलाई निगम की आयुक्त सुरुचि सिंह की अध्यक्षता में निगम सभागार कक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में निगम द्वारा संचालित विभिन्न कार्यों एवं आगामी गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में शासन के निर्देशानुसार गणेश जी की मूर्ति स्थापना के लिए पंडाल निर्माण हेतु अनुमति लेने संबंधी विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि 5,000 वर्गफीट से अधिक क्षेत्रफल वाले सभी पंडालों के लिए अनुमति शुल्क, सफ़ाई शुल्क एवं सुरक्षा निधि जमा करना अनिवार्य होगा। वहीं 5,000 वर्गफीट से छोटे पंडालों में यदि व्यावसायिक गतिविधियाँ संचालित की जाती हैं, तो ऐसे पंडालों के लिए भी अनुमति शुल्क, सफ़ाई शुल्क एवं सुरक्षा निधि जमा करनी होगी।

पोटियाकला में 20 लाख की लागत से बनेगा कर्मा भवन का प्रथम तल



--महापौर अलका बाघमार ने किया

कर्मा भवन के प्रथम तल का भूमिपूजन दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग के वार्ड क्रमांक 54 पोर्टियाकला स्थित दशहरा मैदान में कर्मा भवन (सांस्कृतिक भवन) के प्रथम तल के निर्माण कार्य का भूमिपूजन महापौर अलका बाघमार द्वारा किया गया। लगभग 20 लाख रुपये की लागत से होने वाले इस निर्माण कार्य से क्षेत्रवासियों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक

आयोजनों के लिए बेहतर

सुविधा उपलब्ध होगी। भूमिपूजन कार्यक्रम में महापौर अलका बाघमार के साथ आयुक्त लीना कोसम, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, पार्षद हीरोदी चंदनिया, सविता साहू, सजान जोसफ़ मंडल अध्यक्ष कौशल साहू, लालेश्वरी साहू, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, करण यादव सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि कर्मा भवन का प्रथम तल बनने से वार्डवासियों को विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के लिए एक बेहतर और सुविधायुक्त स्थान मिलेगा। निगम क्षेत्र में नागरिकों की आवश्यकता के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से समय-सीमा में पूरा हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा।

BSP के BMDS में ‘एआई एट वर्कप्लेस’ प्रशिक्षण, 23 प्रतिभागियों ने लिया भाग

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के एचआर-एलएंडडी विभाग द्वारा कार्यस्थल पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के व्यावहारिक उपयोग को बढ़ावा देने तथा कर्मचारियों में एआई आधारित कार्यप्रणालियों को अपनाने की क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से ‘एआई एट वर्कप्लेस’ विषय पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम 07 सितंबर 2026 को भिलाई मैनेजमेंट डेवलपमेंट सेंटर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एचआर-एलएंडडी के कर्मचारियों के साथ ट्रेड अप्रेंटिस एवं ग्रेजुएट अप्रेंटिस सहित कुल 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया।



कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए महाप्रबंधक प्रभारी एवं विभागाध्यक्ष (एचआर-एलएंडडी) संजीव कुमार श्रीवास्तव ने विभाग में एआई के उपयोग से संचालित विभिन्न पहलों एवं गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने विभाग में एआई आधारित कार्यों एवं परियोजनाओं की प्रगति साझा करते हुए कर्मचारियों के बीच एआई संबंधी दक्षताओं के विकास की आवश्यकता को रेखांकित किया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण ‘एआई-आधारित

प्रोजेक्ट शोकेस’ रहा। इसमें बीएमडीसी में पदस्थ ट्रेड अप्रेंटिस एवं ग्रेजुएट अप्रेंटिस ने एआई टूल्स के माध्यम से किए गए विभिन्न व्यावहारिक कार्यों एवं परियोजनाओं का प्रदर्शन किया। प्रस्तुतियों के माध्यम से युवा प्रशिक्षु द्वारा कार्यस्थल से जुड़ी समस्याओं के समाधान, कार्यों के स्वचालन तथा कार्य-दक्षता में सुधार के लिए एआई तकनीक का प्रभावी उपयोग का प्रदर्शन किया गया। एआई आधारित परियोजनाओं का प्रदर्शन वैभव लक्ष्मी दुबे, नितिन पटेल, कावेरी सिंह, महिमा ठाकुर, रिया गुलहार, गोकुल दास साहू एवं डिकेश्वरी साहू द्वारा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान नवीनतम एआई टूल्स एवं उनके कार्यस्थलीय उपयोग से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों ने व्यावहारिक प्रदर्शन एवं अभ्यास के माध्यम से विभिन्न एआई टूल्स की कार्यप्रणाली को समझा तथा दैनिक कार्यों में इनके उपयोग की संभावनाओं से परिचित हुए। कार्यक्रम के समन्वयक के. शिवा ने उद्घाटन सत्र का संचालन किया। महाप्रबंधक (एचआर-एलएंडडी) सौरभ वाणीय ने सन्तुष्टता ज्ञापन प्रस्तुत किया।

कलेक्टर सलाम ने छात्रावासों का किया औचक निरीक्षण

– एकलव्य बालक छात्रावास में अस्वच्छता पर प्राचार्य एवं अधीक्षक पर जताई नाराजगी, व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार के निर्देश

– मोंगरा बैराज को विकसित कार्ययोजना बनाने के दिए निर्देश

– सेवा संकल्प अभियान के तहत ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा

मोहला। कलेक्टर तनुजा सलाम ने विकासखंड अंबागढ़ चैकी के विभिन्न छात्रावासों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने छात्रावासों में विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, स्वच्छता, भोजन एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री उज्ज्वल पोरवाल, एसडीएम मोहला श्री हेमेंद्र भुआर्य सहित संबंधित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर सलाम ने सबसे पहले शासकीय पोस्ट मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास, अंबागढ़ चैकी का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रावास में निवासरत विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर बेड, कुर्सी-टेबल, विद्युत व्यवस्था, साफ-सफ़ाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों से उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की तथा छात्रावास में आवश्यक व्यवस्थाएं बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों को शीघ्र दूर करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके पश्चात कलेक्टर ने एकलव्य आदर्श बालक आवासीय विद्यालय एवं छात्रावास, अंबागढ़ चैकी का निरीक्षण किया। छात्रावास परिसर में साफ-सफ़ाई की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने प्राचार्य एवं छात्रावास अधीक्षक को व्यवस्था में तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत कर भोजन, आवासीय व्यवस्था एवं



अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के साथ ही छात्रावास परिसर में स्वच्छता एवं साफ-सफ़ाई का विशेष ध्यान रखा जाए।

कलेक्टर ने एकलव्य आदर्श बालिका आवासीय विद्यालय एवं छात्रावास का भी निरीक्षण किया। यहां बेहतर साफ-सफ़ाई एवं व्यवस्थाओं पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की तथा छात्राओं को प्रोत्साहित किया। उन्होंने विद्यार्थियों के परिजनों से भी चर्चा कर विद्यालय एवं छात्रावास की व्यवस्थाओं के संबंध में पैडबैक लिया।

– उद्यान में पौधों की उपलब्धता एवं कार्ययोजना की ली जानकारी

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती सलाम ग्राम केकतीटोला स्थित उद्यान भी पहुंचीं। उन्होंने उद्यान विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। आगामी दिनों में प्रस्तावित वृहद वृक्षारोपण अभियान के लिए कार्ययोजना के अनुरूप पौधों की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभाग की आगामी कार्ययोजना की भी जानकारी ली।

– मोंगरा बैराज के विकास की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश

कलेक्टर ने मोंगरा बैराज का भी अवलोकन किया। उन्होंने बैराज की वर्तमान स्थिति एवं आसपास के क्षेत्र का जायजा लेते हुए इसके बेहतर विकास के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि बैराज क्षेत्र को योजनाबद्ध तरीके से विकसित किया जा सके।

‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा

सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर को आयोजित होने वाले शुभारंभ एवं दीप प्रज्वलन कार्यक्रम ‘आशीर्वाद का दीया’ की तैयारियों का भी कलेक्टर श्रीमती सलाम ने जायजा लिया। उन्होंने बिहरी कला एनीकट का अवलोकन करने के साथ ही कार्यक्रम स्थल बाजार चैक का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल एवं आसपास के परिसर की साफ-सफ़ाई अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नाली निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं का तत्काल निराकरण करें : महापौर अलका बाघमार

–महापौर एवं आयुक्त ने वार्ड 13 एवं 25 में नाली निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

–खटाल संचालक को गंदगी फैलाने पर नोटिस,पालन नहीं करने पर होगी जुर्माने की कार्रवाई पूरब टाइम्स दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत आज महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त लीना कोसम ने वार्ड क्रमांक 13 एवं 25 में आईएमएम चौक से अग्रसेन चौक की ओर जाने वाले मार्ग पर पीडब्ल्यूडी, दुर्ग द्वारा कराए जा रहे नाली निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान निर्माण कार्य की प्रगति एवं मौके पर आ रही समस्याओं की जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त लीना कोसम ने निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं का तत्काल निराकरण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा



कि निर्माण कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या सामने आने पर उसे लंबित न रखा जाए, बल्कि संबंधित विभागों से समन्वय कर तत्काल समाधान करते हुए निर्माण कार्य को आगे बढ़ाया जाए।

महापौर अलका बाघमार ने क्षेत्र में खटाल संचालक द्वारा आसपास गंदगी फैलाए जाने की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित

संचालक को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। नोटिस के बाद भी आदेश का पालन नहीं करने पर संबंधित के विरुद्ध जुर्माने की कार्रवाई की जाए।

महापौर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि नाली निर्माण सहित अन्य विकास कार्यों में आने वाली बाधाओं का मौके पर ही संज्ञान लेकर उनका शीघ्र निराकरण करें, ताकि निर्माण कार्य निर्धारित गति से आगे बढ़ सके और नागरिकों को इसका लाभ

जल्द मिल सके।

निरीक्षण के दौरान लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, राजस्व एवं बाजार विभाग प्रभारी शेखर चन्द्राकर, पार्षद मनीषा सोनी, विद्यावती सिंह, रंजीता पाटिल, सावित्री दमाहे, अरुण सिंह, सहायक अभियंता संजय ठाकुर, करण यादव, विकास दमाहे सहित संबंधित अधिकारी एवं ठेकेदार उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान को लेकर जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के मध्य समन्वय बैठक

दुर्ग। जिले में आगामी 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित सेवा संकल्प अभियान के संबंध में आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के मध्य समन्वय बैठक आयोजित की गई। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में सुरेन्द्र कौशिक, पुरुषोत्तम देवांगन, चन्द्रिका चन्द्राकर, सरिता मिश्रा, विनोद अरोरा एवं विनोद सिन्हा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और जिला पंचायत के सीईओ एवं अभियान के नोडल अधिकारी बी.के. दुबे सहित समस्त विभागीय नोडल अधिकारी एवं

सहायक नोडल अधिकारी सम्मिलित हुए। अभियान अंतर्गत विभिन्न 12 पहलुओं क्रमशः आशीर्वाद दीया, मेरे सपनों का भारत चित्र सेवा, नमो सेवा अनकही कहानियां, आनंद मिलन सेवा, सेवा की कहानी, सेवा संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति कलश यात्रा, सेवा मेरा योगदान, जन-जन सेवा



सहायक नोडल अधिकारी सम्मिलित हुए।

अभियान अंतर्गत विभिन्न 12 पहलुओं क्रमशः आशीर्वाद दीया, मेरे सपनों का भारत चित्र सेवा, नमो सेवा अनकही कहानियां, आनंद मिलन सेवा, सेवा की कहानी, सेवा संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति कलश यात्रा, सेवा मेरा योगदान, जन-जन सेवा

संकल्प, सेवा सेतु अभियान, सेवा के रंग राष्ट्र के संग एवं सुशासन सेवा संवाद के बेहतर आयोजन के संबंध में तिथियां आदि के संबंध में रायशुमारी की गई। जनप्रतिनिधियों ने आयोजन हेतु अपने सुझाव प्रस्तुत किये। साथ ही अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करने का भरोसा दिलाया।

कार्यपालक निदेशक ट्रॉफी सुरक्षा प्रश्नोत्तरी में 1180 टेका श्रमिकों ने लिया हिस्सा

210 महिला श्रमिकों की भागीदारी

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संयंत्र में सुरक्षा जागरूकता तथा सुरक्षित कार्य संस्कृति को और अधिक सुवृद्ध बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में टेका श्रमिकों के लिए कार्यपालक निदेशक (संकाय) ट्रॉफी सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 2026-27 के प्रथम चरण का आयोजन किया गया।

इस पहल का उद्देश्य टेका श्रमिकों को सुरक्षा नियमों, जोखिमों की पहचान तथा सुरक्षित कार्य पद्धतियों के प्रति जागरूक करना और उनके सुरक्षा ज्ञान को व्यवहार में प्रभावी रूप से लागू करने के लिए प्रेरित करना है। साथ ही, प्रतिभागियों को सेफ्टी एंसेडर के रूप में विकसित करते हुए कार्यस्थल पर सुरक्षा संदेश के प्रभावी प्रसार को प्रोत्साहित करना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा अभियांत्रिकी) पुष्पा एम्ब्रोस विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, क्रिज मास्टर्स, जोलन कोऑर्डिनेटर्स, विभागीय सुरक्षा अधिकारी, अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में टेका श्रमिक उपस्थित रहे।

15 जुलाई से 1 अगस्त तक आयोजित इस प्रतियोगिता में संयंत्र के आयनर, स्टील, मिल एवं सर्विस—चारों जोन से कुल 1180 टेका श्रमिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इनमें 970 पुरुष एवं 210 महिला श्रमिक शामिल थीं। विभागीय एवं जोनल स्तर की प्रतियोगिताओं के उपरांत चारों जोनों से चयनित 12 श्रेष्ठ टीमों के बीच संयंत्र स्तरीय फइनल आयोजित किया गया। प्रत्येक टीम में तीन सदस्य शामिल थे तथा प्रत्येक टीम में महिला श्रमिक की भागीदारी सुनिश्चित की गई।



समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा अभियांत्रिकी) पुष्पा एम्ब्रोस ने कहा कि उत्पादन महत्वपूर्ण है, लेकिन सुरक्षा मानकों से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने सभी कर्मियों से निर्धारित प्रोटोकॉल एवं सुरक्षा प्रक्रियाओं का पूर्ण पालन करते हुए संयंत्र को शून्य कार्यस्थल दुर्घटना के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने टेका श्रमिकों को कार्यस्थल पर अनुरक्षित परिस्थितियों की भयमुक्त रिपोर्टिंग के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रतियोगिता के सफ़्त आयोजन में क्रिज मास्टर्स एवं जोनल कोऑर्डिनेटर्स महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सिटी सक्षिप्त समाचार

जिला स्तरीय रोजगार मेला 24 सितम्बर को 200 विभिन्न पदों भर्ती का सुनहरा अवसर

महासमुंद्र 1 जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र-महासमुन्द्र में 24 सितंबर 2026 को प्रातः 11.00 बजे से 3.00 बजे तक जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि जिसके प्रचार प्रसार हेतु जिले के समस्त आईटीआई में मोबिलाईजेशन काउंसलिंग शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें 17 सितंबर 2026 को आईटीआई पिथौरा, 18 सितम्बर को आईटीआई बागबहारा, 21 सितम्बर को आईटीआई बसना एवं 22 सितम्बर को आईटीआई सरायपाली में शिविर आयोजित होगा। इस शिविर में उपस्थित होकर आवेदक रोजगार मेला की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं एवं मेले हेतु अपना पंजीयन भी करा सकते हैं।

जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि जिला स्तरीय रोजगार मेला में निजी क्षेत्र स्वतंत्र माइक्रोफ़िन् प्राइवेट लिमिटेड, पुस्कल एग्रोटेक लिमिटेड, अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, रजत इक्विपमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड एवं श्रमिन टेलेट प्राइवेट लिमिटेड के कुल 200 विभिन्न पदों पर 10वीं 12वीं, बीएससी एग्रीकल्चर एवं स्नातक, आईटीआई उत्तीर्ण आवेदकों की भर्ती की जाएगी। इसके अतिरिक्त नियोजक उपस्थित होने पर रोजगार मेला में सम्मिलित किया जाएगा।

जिला स्तरीय रोजगार मेला में सम्मिलित होने के इच्छुक एवं योग्य आवेदक, निर्धारित स्थल एवं समय पर अपनी शैक्षणिक योग्यता के दस्तावेज, रोजगार पंजीयन, आधार कार्ड, बायोडाटा की छायाप्रति एवं पासपोर्ट साइज की स्वयं की फोटो सहित उपस्थित होंवें। साक्षात्कार की प्रक्रिया में सम्मिलित होने के लिए आवेदकों को ‘‘छत्तीसगढ़ रोजगार एप/वेबसाईट https://erojgar.cg.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन अप्लाई करना आवश्यक हैरिक्तियों की संख्या, पदवार आवश्यक योग्यता, वेतनमान, कार्यस्थल की विस्तृत जानकारी के लिए आवेदक जिला रोजगार कार्यालय महासमुन्द्र में सम्पर्क कर अथवा रोजगार विभाग की वेबसाईट https://erojgar.cg.gov.in से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

28 सितंबर को होगा रोजगार मेला का आयोजन

दंतेवाड़ा। जिले के शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए निजी क्षेत्र के नियोजक द्वारा विलेखनिष्ठ मैनेजर के 25 पद तथा असिस्टेंट मैनेजर टैनी के 10 पद रिक्तियों प्राप्त की गई है। इस संबंध में 28 सितंबर 2026 दिन शुक्रवार को जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज कारली दस्तेवाड़ा में रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में इच्छुक आवेदक, प्रातः 11 से 03 बजे तक निर्धारित स्थल पर अपनी शैक्षणिक दस्तावेजों की मूल प्रति, रोजगार पंजीयन, आधारकार्ड, की छाया प्रति एवं पासपोर्ट साइज फोटोग्राफबायोडाटा सहित, उपस्थित होकर अवसर का लाभ ले सकते है। रोजगार मेला में उपस्थित होने के पूर्व रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है। यह आयोजन पूर्णतः नि:शुल्क है।

जिला अस्पताल बैकुण्ठपुर में कायाकल्प राज्य स्तरीय टीम द्वारा विस्तृत मूल्यांकन एवं निरीक्षण सम्पन्न

स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण, मरीज सुविधाओं सहित विभिन्न गुणवत्ता मानकों का किया गया बारीकी से अवलोकन
कोरिया । जिला अस्पताल बैकुण्ठपुर में कायाकल्प अभियान अंतर्गत गुरुवार को राज्य स्तरीय मूल्यांकन टीम द्वारा अस्पताल का विस्तृत मूल्यांकन एवं स्थलीय निरीक्षण किया गया। राज्य स्तरीय टीम के जिला अस्पताल पहुंचने पर अस्पताल प्रबंधन एवं समस्त स्टाफद्वारा स्वागत किया गया।

कायाकल्प मूल्यांकन के लिए गठित राज्य स्तरीय टीम में डॉ. टी. के. टोंडर, उप संचालक, संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं, डॉ. नेतराम बेक, उप संचालक, संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं, आनंद साहू, कार्यक्रम प्रबंधक, एनएचएम, महेश सिंह, राज्य सलाहकार, एनएचएम, आसिम एक्का, संभागीय सलाहकार, एनएचएम तथा डॉ. उरया नाग, एचएसओ एण्ड डब्ल्यूएचओ रायपुर शामिल रहे।

मूल्यांकन कार्यक्रम की शुरुआत जिला अस्पताल की कार्यिंगपाली तथा कायाकल्प अभियान के अंतर्गत की गई तैयारियों पर आधारित विस्तृत प्रस्तुतीकरण से हुई। हॉस्पिटल कंसल्टेंट द्वारा प्रस्तुतिकरण के माध्यम से अस्पताल में स्वच्छता एवं हाइजीन, संक्रमण नियंत्रण, बायोमैडिकल वेस्ट प्रबंधन, मरीजों की

सुविधाएं, स्वच्छ पेयजल, शौचालय व्यवस्था, परिसर की साफ-सफाई, हरित एवं पर्यावरण अनुकूल वातावरण, अग्नि सुरक्षा, रिकॉर्ड एवं दस्तावेज संधारण तथा गुणवत्ता सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी टीम को दी गई। इसके पश्चात राज्य स्तरीय मूल्यांकन टीम ने जिला अस्पताल के विभिन्न विभागों, वाडों एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान टीम द्वारा स्वच्छता एवं सैनिटेशन, इंफेक्शन प्रिवेंशन एवं कंट्रोल, बायोमैडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, मरीजों के लिए उपलब्ध सुविधाएं, दवाओं एवं उपकरणों का रखरखाव, अग्नि सुरक्षा व्यवस्था, जल एवं विद्युत व्यवस्था, अस्पताल परिसर का सौंदर्यीकरण, हरित क्षेत्र, रिकॉर्ड संधारण तथा निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुपालन का बारीकी से अवलोकन किया गया।

निरीक्षण के दौरान अस्पताल प्रबंधन द्वारा मरीजों को बेहतर, सुरक्षित, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों को टीम के समक्ष प्रस्तुत किया गया। अस्पताल परिसर में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, संक्रमण की रोकथाम, बायोमैडिकल वेस्ट के उचित प्रबंधन, मरीजों की सुविधाओं में सुधार तथा सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल वातावरण विकसित करने की दिशा में किए गए कार्यों का

भी अवलोकन किया गया।

इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. प्रशांत सिंह, सिविल सर्जन डॉ. आयुष जायसवाल, तब्बू डॉ. कार्तिकेय सिंह, बीएमओ डॉ. अनित बक्सला (पोड़ी बचरा) सहित विभिन्न वाडों के प्रभारी, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मूल्यांकन टीम को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के साथ निरीक्षण कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

कायाकल्प मूल्यांकन कार्यक्रम के दौरान अस्पताल प्रबंधन एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा समन्वित रूप से व्यवस्थाओं को प्रस्तुत किया गया। स्वच्छ, सुरक्षित, व्यवस्थित एवं मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों को मूल्यांकन के दौरान प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया।

अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि कायाकल्प अभियान के माध्यम से स्वास्थ्य संस्थानों में स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण, मरीजों की सुविधाओं, पर्यावरण संरक्षण एवं गुणवत्ता सुधार को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जिला अस्पताल बैकुण्ठपुर में भी इन मानकों के अनुरूप व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

उपलब्ध खाद्य सामग्री से पौष्टिक व्यंजन तैयार करने तथा उन्हें दैनिक आहार में शामिल करने के लिए भी प्रेरित किया गया।

कुपोषण की पहचान और उपचार पर विशेष जोर

पोषण माह के दौरान कुपोषण की रोकथाम और बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। बचवार आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की स्वास्थ्य एवं पोषण स्थिति का आकलन करते हुए गंभीर तीव्र कुपोषित (एसएएम) एवं मध्यम तीव्र कुपोषित (एमएएम) बच्चों का चिन्हांकन किया गया। अभिभावकों को कुपोषित बच्चों के समुचित पोषण एवं देखभाल के उपायों की जानकारी दी गई। गंभीर कुपोषित बच्चों को आवश्यक उपचार एवं पोषण प्रबंधन के लिए पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) भेजने के महत्व के बारे में भी समझाया गया।

कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा बच्चों का टीकाकरण किया गया तथा माताओं के रक्तचाप एवं शुगर की जांच की गई। इससे आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से पोषण के साथ-साथ मातृ एवं बाल स्वास्थ्य सेवाओं को भी समुदाय तक पहुंचाने में मदद मिल रही है।

सेवा संकल्प अभियान में सहभागी बनें, सेवा और जनभागीदारी से विकसित कोरिया के संकल्प को साकार करें - कलेक्टर रौक्तिमा यादव’



रंगकर्मियों, साहित्यकारों, किसानों, व्यापारियों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं जिले के सभी प्रबुद्ध नागरिकों से इन कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि सभी वर्गों की भागीदारी से सेवा संकल्प अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा सकता है।

जिम्मेदारी है। हमारा छेटा-सा प्रयास किसी जरूरतमंद के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है।

‘योजनाओं से बदली जिंदगी की कहानियां सामने लाने पर पहत’

कलेक्टर ने कहा कि शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से अनेक परिवारों के जीवन में उम्मीद और खुशहाली की नई रोशनी आई है। किसी किसान को सिवाई की सुविधा मिली, किसी परिवार को पक्का आवास मिला, किसी महिला को आर्थिक सबल मिला, किसी युवा को रोजगार एवं स्वरोजगार का अवसर मिला, तो किसी जरूरतमंद को स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा का सहारा मिला है।

‘सेवा संकल्प अभियान’ के माध्यम से ऐसे सकारात्मक बदलाव और सफलता की कहानियों को समाज के सामने लाने का प्रयास

किया जाएगा, ताकि योजनाओं का लाभ प्राप्त कर चुके हितग्राहियों की प्रेरक कहानियां अन्य पात्र नागरिकों तक पहुंचे और वे भी शासन की योजनाओं का लाभ लेकर अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें।

‘विकसित कोरिया से विकसित भारत की ओर’

कलेक्टर रौक्तिमा यादव ने कहा कि सेवा, सहयोग और जनभागीदारी को एक साथ जोड़कर कोरिया जिले को विकास, संवेदना और सहभागिता की नई पहचान दी जा सकती है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे ‘सेवा संकल्प अभियान’ से जुड़ें, सेवा कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाएं और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

मतदाता जागरूकता को लेकर ईएलसी 2.0 के तहत नोडल अधिकारियों का प्रशिक्षण

बिलासपुर । जिले में मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आज उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिवकुमार बनर्जी की अध्यक्षता में ईएलसी 2.0 की कार्ययोजना के तहत जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों एवं विधानसभा स्तरीय को-ऑर्डिनेटरों का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यवेक्षक अंकित तिवारी एवं सहायक निर्वाचन पर्यवेक्षक ब्रजेश पाण्डेय उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स मिथिलेश मिश्रा, राजेश कुमार सोनी एवं राजीव शर्मा ने विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के नोडल अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया। उन्हें ईसीआईनेट एप, मतदाता

सूची में नाम दर्ज कराने, नाम विलोपन, संशोधन एवं स्थानांतरण की प्रक्रिया तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित अर्हता तिथियों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान मतदाता सूची के विशेष सक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) एवं विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), ईवीएम-वीवीपेट से मतदान, संविधान एवं लोकतांत्रिक मूल्यों, नैतिक एवं सूचित मतदान तथा निर्वाचन संबंधी गलत सुचनाओं एवं फर्जी खबरों से बचाव के संबंध में भी जानकारी दी गई। विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर क्रिज, वर्ग पहेली एवं शब्द खोज जैसी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को मतदाता जागरूकता से जोड़ने तथा ईएलसी के प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

विशेष अवसरों की खुशियां बच्चों के साथ, न्योता भोजन से मजबूत हो रही जनभागीदारी

–मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल से ‘न्योता भोजन’ बना सामुदायिक सहभागिता का सशक्त माध्यम

–सेवा के तीन वर्ष पूर्ण होने और जन्मदिवस पर शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों के साथ साझा की खुशियां रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर प्रदेश में संचालित ‘न्योता भोजन’ कार्यक्रम अब केवल अतिरिक्त भोजन उपलब्ध कराने की पहल नहीं, बल्कि विद्यालय, शिक्षक, समुदाय और विद्यार्थियों के बीच आत्मीय संबंधों को मजबूत करने का माध्यम बन रहा है। विशेष अवसरों को विद्यार्थियों के साथ साझा करने की इस पहल से विद्यालयों में जनभागीदारी और सामुदायिक सहभागिता की भावना लगातार सुदृढ़ हो रही है।

सूरजपुर जिले के विद्यालयों में भी शिक्षक-शिक्षिकाएं अपने जन्मदिवस, सेवा पूर्ण होने सहित अन्य विशेष अवसरों पर विद्यार्थियों को न्योता भोजन कराकर खुशियां साझा कर रहे हैं। यह पहल बच्चों के लिए जहां उत्साह और प्रसन्नता का अवसर बन रही है, वहीं शिक्षकों में भी समाज और विद्यार्थियों के प्रति अपने दायित्व को और अधिक आत्मीयता से निभाने की भावना विकसित कर रही है। सेवा के तीन वर्ष पूरे होने पर विद्यार्थियों को कराया न्योता भोजन

विकासखंड रामानुजनगर की माध्यमिक शाला



पटना की शिक्षिका सुश्री नलिनी कौशिक ने शासकीय सेवा के तीन वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों को न्योता भोजन कराया। अपने इस विशेष दिन को बच्चों के साथ साझा करते हुए उन्होंने कहा कि जिन बच्चों की शिक्षा और भविष्य के लिए वे सेवाएं दे रही हैं, उन्हीं के साथ सेवा के तीन वर्ष पूर्ण होने की खुशी मनाना उनके लिए बेहद संतोष और प्रसन्नता का विषय है।

उन्होंने कहा कि शासन की ‘न्योता भोजन’ योजना एक सराहनीय और अभिनव पहल है। इसके माध्यम से हम अपने जीवन के विशेष अवसरों की खुशियां विद्यार्थियों के साथ साझा कर सकते हैं और उनके बीच अपनत्व की भावना को मजबूत कर सकते हैं।

जन्मदिवस पर बच्चों के साथ बांटी खुशियां इसी तरह विकासखंड रामानुजनगर की

माध्यमिक शाला परमेश्वरपुर की शिक्षिका सुश्री कमला सिदार ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को न्योता भोजन कराया। शिक्षिका ने अपने विशेष दिन की खुशियां बच्चों के साथ साझा करते हुए उन्हें अतिरिक्त एवं पौष्टिक भोजन कराया। इस दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह और प्रसन्नता देखने को मिली। भोजन के साथ बढ़ रहा अपनत्व और सहभागिता का भाव

‘न्योता भोजन’ कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को अतिरिक्त एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के साथ ही विद्यालय और समुदाय के बीच सहभागिता की भावना को भी मजबूती मिल रही है। शिक्षक-शिक्षिकाओं और समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा विशेष अवसरों पर विद्यार्थियों के साथ खुशियां साझा करने से बच्चों में अपनत्व, समानता और सामुदायिक जुड़ाव की भावना विकसित हो रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर शुरू किए गए ‘न्योता भोजन’ कार्यक्रम से प्रदेश में लगातार लोग जुड़ रहे हैं। विभिन्न जिलों के विद्यालयों में शिक्षक-शिक्षिकाओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संघटनों और समुदाय के सहयोग से न्योता भोजन का आयोजन किया जा रहा है। यह पहल प्रदेश में जनभागीदारी से पोषण और शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में एक सकारात्मक उदाहरण बनकर उभर रही है।

इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में हुनर, हौसलों से हासिल किया मुकाम

धमतरी की तीन बेटियों का पॉवर्सकॉन, बेंगलुरु में चयन, Apple iPhone के लिए करेगी उपकरणों की असेंबली धमतरी। धमतरी की तीन बेटियों संजना साहू, रंजना साहू और निकिता ने अपने हुनर, मेहनत और आत्मविश्वास से यह साबित कर दिखाया है कि अवसर और सही प्रशिक्षण मिले तो बेटियां किसी भी तकनीकी क्षेत्र में सफ़लता का नया अध्याय लिख सकती हैं। मधुरिमा गुरुकुल SEDI, धमतरी में इलेक्ट्रीशियन ट्रेड का प्रशिक्षण लेने वाली इन तीन महिला प्रशिक्षुओं का चयन देश की प्रतिष्ठित कंपनी पॉवर्सकॉन, बेंगलुरु में हुआ है।

यह एक बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफ़ैक्चरिंग कंपनी है, जो Apple के लिए iPhone सहित अन्य उपकरणों की असेंबली/निर्माण करती है। तीनों प्रशिक्षुओं को शुरुआत में १20 हजार प्रतिमाह हज़ार का रोजगार ऑफ़र मिला है। यह उपलब्धि न केवल प्रशिक्षण की गुणवत्ता और प्रशिक्षुओं की मेहनत को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि



बेटियां तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में भी अपनी मजबूत पहचान बना सकती हैं।

धमतरी की इन तीन बेटियों की कहानी इसी पहल की सबसे प्रेरक तस्वीर है। इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में सीखा हुनर अब उन्हें बेंगलुरु के औद्योगिक क्षेत्र तक ले जा रहा है। उनकी सफ़लता केवल रोजगार पाने की उपलब्धि नहीं, बल्कि धमतरी की बेटियों के बढ़ते आत्मविश्वास, तकनीकी दक्षता और आत्मनिर्भरता की नई पहचान है।

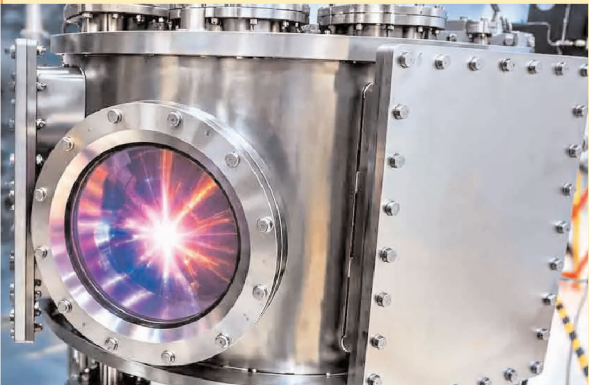
इन बेटियों की सफ़लता इसलिए भी खास है

व्योंकि उन्होंने ऐसे तकनीकी ट्रेड को चुना, जिसे लंबे समय से पुरुष-प्रधान क्षेत्र माना जाता रहा है। इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में प्रशिक्षण लेकर औद्योगिक क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी तक पहुंचना उनकी तकनीकी दक्षता, सीखने की लगन और आत्मविश्वास को दर्शाता है। उनकी यह उपलब्धि धमतरी की अन्य बेटियों के लिए भी प्रेरक संदेश है कि तकनीकी कौशल के क्षेत्र में महिलाओं के लिए भी रोजगार और करियर को व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

प्रशिक्षण के दौरान इन बेटियों ने इलेक्ट्रीकल कार्यों की बारीकियों, उपकरणों के उपयोग, विद्युत सुरक्षा, वायरिंग, मशीनरी एवं इलेक्ट्रिकल सिस्टम से जुड़े व्यावहारिक कार्यों में दक्षता हासिल की। प्रशिक्षण के दौरान और भीतर केवल तकनीकी क्षमता ही विकसित नहीं की, बल्कि बड़े औद्योगिक संस्थानों में काम करने का आत्मविश्वास भी बढ़ाया। यही आत्मविश्वास उन्हें धमतरी से बेंगलुरु तक रोजगार के नए अवसर तक ले गया।

ज्ञान-विज्ञान की बातें

धरती पर सूरज बनाने की दिशा में भारत की बड़ी छलांग, PRAGYA ने रचा इतिहास



भारत में न्यूक्लियर प्यूजन रिसर्च को लेकर प्राइवेट सेक्टर ने एक बड़ा कदम उठाया है. बेंगलुरु की स्टार्टअप प्रनोस प्यूजन ने अपने टोकामक PRAGYA में पहली बार प्लाज्मा बनाया है. करीब 40 सेंटीमीटर रेडियस वाले इस टोकामक को कंपनी ने लगभग 8 महीने में तैयार किया है. इसका इस्तेमाल प्लाज्मा को कंट्रोल करने, उसकी जांच करने और प्यूजन से जुड़ी दूसरी तकनीकों को टेस्ट करने के लिए किया जाएगा. PRAGYA का काम अभी बिजली बनाना नहीं है. यह एक तरह की टेस्ट मशीन है, जिस पर कंपनी लगातार प्रयोग करेगी. कंपनी इसे करीब 20 साल तक चलाने की योजना बना रही है. इस दौरान हर साल करीब 3,000 प्लाज्मा शॉट लेने का लक्ष्य है. यानी रोजाना करीब 10 से 12 बार प्लाज्मा बनाकर उससे जुड़ा डेटा इकट्ठा किया जाएगा. इस डेटा से आगे बड़े प्यूजन रिएक्टर बनाने में मदद मिल सकती है.

टोकामक एक ऐसी मशीन है जिसमें बहुत गर्म प्लाज्मा को चुंबकीय ताकत की मदद से कंट्रोल किया जाता है. प्यूजन के लिए गैस को बहुत ज्यादा गर्म किया जाता है. इतनी गर्मी में गैस प्लाज्मा में बदल जाती है. प्यूजन में छोटे परमाणुओं को आपस में जोड़कर एनर्जी बनाने की कोशिश की जाती है. सूरज में भी इसी तरह की प्रक्रिया से एनर्जी बनती है. वैज्ञानिक कई साल से धरती पर इस प्रक्रिया को कंट्रोल करके एनर्जी बनाने की कोशिश कर रहे हैं. PRAGYA पर सबसे पहले यह समझने की कोशिश होगी कि प्लाज्मा को बेहतर तरीके से कैसे कंट्रोल किया जाए. इसके अलावा टोकामक के डिजाइन, प्लाज्मा कंट्रोल सिस्टम और प्लाज्मा की जांच करने वाली तकनीक पर भी काम होगा. कंपनी हाई टेम्परेचर सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट पर भी काम करेगी.

ये खास तरह के मैग्नेट होते हैं, जिनका इस्तेमाल प्यूजन मशीनों में प्लाज्मा को कंट्रोल करने के लिए किया जा सकता है. लगातार प्रयोगों से कंपनी को बड़ी मात्रा में डेटा मिलेगा. यही डेटा आगे प्यूजन रिएक्टर की तकनीक को बेहतर बनाने में काम आ सकता है.

प्रनोस प्यूजन ने आगे के लिए भी लक्ष्य तय किया है. कंपनी की योजना 2027 तक HTS मैग्नेट को चालू करने की है. इसके बाद वह 2030 तक PraniQ नाम का नेट एनर्जी गेन रिएक्टर बनाने का लक्ष्य रखती है. नेट एनर्जी गेन का आसान मतलब है कि प्यूजन से जितनी एनर्जी मिले, वह उसे चलाने में लगाई गई एनर्जी से ज्यादा हो. हालांकि, यह अभी कंपनी का लक्ष्य है. PRAGYA खुद नेट एनर्जी गेन रिएक्टर नहीं है.कंपनी PRAGYA के जरिए सिर्फतकनीक पर काम नहीं करना चाहती. वह ज्यादा से ज्यादा प्यूजन वैज्ञानिक और प्लाज्मा फिजिसिस्ट तैयार करने की भी योजना बना रही है. इसके लिए PRAGYA पर लंबे समय तक प्रयोग किए जाएंगे, ताकि वैज्ञानिकों और छात्रों को प्यूजन तकनीक को समझने और उस पर काम करने का मौका मिले.

कंपनी को उम्मीद है कि इससे भारत में प्यूजन रिसर्च और इस क्षेत्र से जुड़े काम को बढ़ावा मिलेगा. फिलहाल PRAGYA में प्लाज्मा बनना इस दिशा में शुरुआती कदम है. आगे के प्रयोगों से पता चलेगा कि कंपनी अपने बड़े प्यूजन लक्ष्यों तक कितनी दूर पहुंच पाती है.

गलत चार्जिंग से घटती है Battery Health, इन 5 आसान तरीकों से आईफोन और एंड्रॉयड की बैटरी लाइफ लंबी चलेगी!

दैनिक जीवन में मोबाइल एक अहम हिस्सा बन चुका है। आजकल बिना फोन के एक पल भी नहीं कटा जा सकता है। गौरतलब है कि सुबह के उठने से लेकर रात के सोने तक फोन हमारे हाथ में ही रहता है। इसका इस्तेमाल लगातार करते रहते हैं। हालांकि, ऐसे में बैटरी खर्च होना एक स्वाभाविक सी बात है, लेकिन बैटरी यदि तेजी से डिस्चार्ज होने लग जाए, तो यह दिक्कत आम नहीं है।

इस समस्या से बचने लिए हर कोई यही चाहता है कि उनके फोन की बैटरी हेल्थ लंबे समय तक चले। आइए आपको बताते हैं 5 मॉडर्न चार्जिंग रूल्स के बारे में, जिन्हें हर स्मार्टफोन यूजर को फॉलो करना चाहिए।

फोन की बैटरी हेल्थ को खराब होने से बचाने के लिए क्या करें?

20-80 प्रतिशत वाला रूल करें फॉलो

अगर आप अपने फोन की बैटरी को हेल्दी रखना चाहते हैं, तो लंबे समय तक 90% या उससे बनाए रखने के लिए बैटरी को कभी भी 0% तक पूरी तरह खत्म न होने दें। इसके साथ ही फोन को लंबे समय तक किसी भी 100% चार्ज न करें। जब आपके फोन की बैटरी 20% के आसपास पहुंच जाए, तो उस दौरान ही फोन को चार्जर पर लगाएं। जब

बैटरी 80% या 85% हो जाए तो इसे अनप्लग कर दें।

चार्जिंग के दौरान फोन के इस्तेमाल से बचें—जब आपका फोन चार्जिंग में लगा हुआ है, तो इस पर गेम खेलना, वीडियो कॉलिंग करना या ऑनलाइन मूवी बिल्कुल न देखें। चार्जिंग के दौरान फोन प्रोसेसर से पहले से ही गर्म हो रहा होता है, ऐसे में आप जब कोई भारी टास्क डालते हैं, तो फोन का तापमान खतरनाक स्तर तक बढ़ जाता है। इस समय निकलने वाली हीट बैटरी के लिए सेफनहीं है।

हमेशा ऑरिजिनल और सर्टिफाइड चार्जर का ही इस्तेमाल करें—कभी भी बाजार में मिलने वाले सस्ते या बिना किसी ब्रांड को लोकल चार्जर का इस्तेमाल करने बचें। ऐसे चार्जर फोन जल्दी चार्ज का दावा करते हैं, लेकिन वे वोल्टेज को सही कंट्रोल नहीं करते हैं। इसलिए हमेशा अपने आईफोन या एंड्रॉइड डिवाइस के साथ मिलने वाला ऑरिजिनल एडाप्टर और केबल का ही प्रयोग करें। यदि नया चार्जर खरीदें, तो हमेशा सर्टिफाइड या अच्छी ब्रांडेड एक्सेसरीज वाला ही

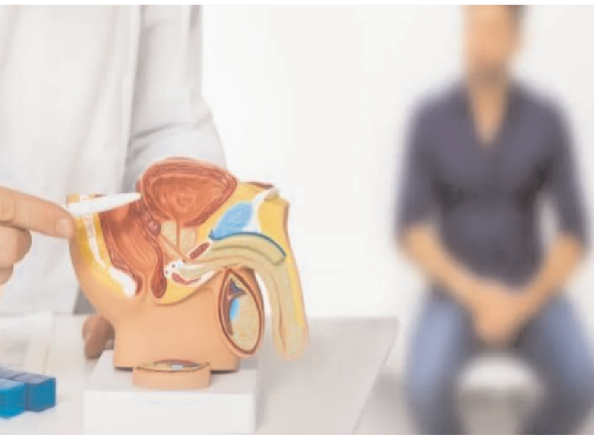


चुनें। घटिया चार्जर से बैटरी की उम्र को भारी रुप से कम कर देता है। **ओवरनाइट चार्जिंग से दूर रहे** कुछ लोगों की आदत होती है कि रात के समय फोन चार्ज पर लगाकर सो जाते हैं। यदि आपकी भी यही आदत है, तो इसे आज ही छोड़ दें। रात को सोते समय फोन को चार्जिंग पर लगाकर सुबह तक छोड़ देना स्मार्टफोन की बैटरी की उम्र को तेजी से कम करता है। लेकिन आज के आधुनिक स्मार्टफेन्स में स्मार्ट चार्जिंग के फीचर आ गए हैं, जो कि रात में बैटरी को 80% पर रोक देते हैं। फिर लंबे समय तक हाई वोल्टेज से जुड़े रहना बैटरी के लिए सही

नहीं है। **फोन पर भारी कवर लगाकर चार्ज करने से बचें**—अक्सर देखा गया है कि फोन को सुरक्षित रखने के लिए लोग महंगे और मोटे बैक कवर या रफ-टफ केस का प्रयोग करते हैं। जब आप इस तरह के केस के साथ फोन को चार्जिंग करेंगे, तो चार्जिंग के दौरान पैदा होने वाली प्राकृतिक गर्मी बाहर नहीं निकल पाती है। फिर अंदर ही अंदर ट्रैप होकर फोन और बैटरी को अत्यधिक गर्म कर देती है। इसलिए चार्जिंग करते समय हमेशा फोन का बैक कवर निकाल देना चाहिए। जिससे आपके फोन की बैटरी ठंडी रहे।

भारत में भी प्रोस्टेट कैंसर का बोझ बढ़ रहा है। इंडियन काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च-नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम (ICMR-NCRP) के अनुमानों के अनुसार, देश में प्रोस्टेट कैंसर के मामले 2020 में 41,532 से बढ़कर 2025 में 47,068 होने का अनुमान था — यानी पाँच सालों में 13% से ज्यादा की बढ़ोतरी। उम्र बढ़ने के साथ प्रोस्टेट कैंसर का जोखिम बढ़ता है, इसलिए डॉक्टर कहते हैं कि जैसे-जैसे भारत की आबादी की उम्र बढ़ रही है, ज्यादा जागरूकता ज़रूरी होती जा रही है।

TGCSB ने पकड़ा अवैध खेल जब जहर का असर होता है, तो गंभीर मरीज की जान बचाने के लिए हर मिनट कीमती होता है। प्रोस्टेट कैंसर की एक चुनौती यह है कि शुरुआती स्टेज में बीमारी के साफ़ चेतावनी



वाले लक्षण नहीं दिखते। एक पुरुष स्वस्थ महसूस कर सकता है और अपनी सामान्य दिनचर्या जारी रख सकता है, जबकि बीमारी का पता नहीं चलता। उम्र सबसे अहम जोखिम कारकों में से एक है; जैसे-जैसे पुरुषों की उम्र बढ़ती है, प्रोस्टेट कैंसर होने की संभावना भी बढ़ती जाती है। फ़ैमिली हिस्ट्री भी अहम है, खासकर उन पुरुषों के लिए जिनके पिता, भाई या किसी करीबी

रिश्तेदार को यह बीमारी हुई हो। हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित CARE हॉस्पिटल्स में यूरोलॉजी, रोबोटिक, लैप्रोस्कोपी और एंडोयूरोलॉजी सर्जन और विलनिकल डायरेक्टर व सीनियर कंसल्टंट डॉ. पी. वामसी कृष्णा ने कहा, "सबसे बड़ी गलतफ़हमी यह है कि प्रोस्टेट कैंसर में हमेशा पेशाब से जुड़ी समस्याएं होती हैं। शुरुआती प्रोस्टेट कैंसर में कोई लक्षण नहीं भी दिख सकते हैं। उम्र बढ़ने के साथ, खासकर 50

साल की उम्र के बाद, इसका खतरा बढ़ जाता है और परिवार में इस बीमारी का इतिहास होने पर खतरा और भी बढ़ सकता है। पुरुषों को प्रोस्टेट की सेहत के बारे में डॉक्टर से बात करने के लिए लक्षणों के गंभीर होने का इंतज़ार नहीं करना चाहिए। उम्र, परिवार के इतिहास, लक्षणों और व्यक्तिगत जोखिम के आधार पर, डॉक्टर यह सलाह दे सकते हैं कि आगे जांच करवानी

सही है या नहीं।

हालांकि शुरुआती प्रोस्टेट कैंसर का पता नहीं चल पाता है, लेकिन पेशाब करने की आदतों में लगातार बदलाव को नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए। पेशाब शुरू करने में कठिनाई, पेशाब की धार का कमजोर या रुक-रुक कर आना, बार-बार पेशाब आना (खासकर रात में), मूत्राशय को पूरी तरह खाली करने में दिक्कत, पेशाब करते समय दर्द या जलन, या पेशाब या वीर्य में खून आने पर डॉक्टर से जांच करवानी चाहिए।

पीठ के निचले हिस्से, कूल्हों या पेल्विस में लगातार दर्द होने पर भी जांच की ज़रूरत हो सकती है, खासकर तब जब इसके साथ चिंताजनक लक्षण भी हों। हालांकि, डॉक्टर इस बात पर जोर देते हैं कि पेशाब की समस्याओं का मतलब हमेशा प्रोस्टेट कैंसर नहीं होता है। उम्र बढ़ने के साथ प्रोस्टेट का बिना कैंसर वाला बढ़ना (बिनाइन एनलार्जमेंट) आम बात है और इससे भी ऐसे ही लक्षण हो सकते हैं। संक्रमण और प्रोस्टेट से जुड़ी अन्य स्थितियाँ भी पेशाब को प्रभावित कर सकती हैं।

वाहन खरीदाने के छह महीने तक आरसी ट्रांसफर नहीं कराई तो बदल सकता है मालिकाना हक! सरकार का नया मसौदा नियम

पुरानी कार या बाइक खरीदने के बाद RC (Registration Certificate) अपने नाम ट्रांसफर कराना बेहद ज़रूरी है। अब केंद्र सरकार ने वाहन के मालिकाना हक के ट्रांसफर और अधिकृत डीलरों के जरिए पुराने वाहनों की बिक्री को लेकर नए नियमों का मसौदा पेश किया है। इसमें छह महीने की समय सीमा का प्रावधान चर्चा में है।

हालाँकि, यहाँ यह समझना ज़रूरी है कि छह महीने बाद मालिकाना हक बदलने का प्रस्ताव आम व्यक्ति द्वारा खरीदे गए वाहन पर सीधे लागू होने वाला नियम नहीं है। यह मुख्य रूप से उस वाहन के लिए प्रस्तावित है, जिसे पंजीकृत मालिक ने अधिकृत डीलर को सौंप दिया है और Form 29C के जरिए इसकी सूचना दी गई है।

क्या है सरकार का नया प्रस्ताव? सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) ने Central

Motor Vehicles Rules, 1989 में बदलाव का मसौदा जारी किया है। इसका उद्देश्य खासकर संगठित सेकंड-हैंड वाहन कारोबार में वाहन के एक डीलर से दूसरे डीलर तक जाने और अंतिम खरीदार के नाम ट्रांसफर होने की प्रक्रिया को ज्यादा पारदर्शी बनाना है।

प्रस्ताव के मुताबिक : –अधिकृत डीलर को वाहन मिलने के बाद उसकी जानकारी डिजिटल रूप से दर्ज की जाएगी। एक डीलर से दूसरे अधिकृत डीलर के पास वाहन जाने पर Form 29C का इस्तेमाल प्रस्तावित है।

– डीलर से डीलर वाहन ट्रांसफर की संख्या अधिकतम दो रखने का प्रस्ताव है।

– Form 29C दाखिल होने के बाद वाहन छह महीने से ज्यादा समय तक डीलर के पास बिना Form 30 के नहीं रखा जा



सकेगा।

छह महीने बाद क्या होगा?

प्रस्तावित नियम के अनुसार, यदि Form 29C दाखिल होने की तारीख से छह महीने के भीतर वाहन का मालिकाना हक Form 30 के जरिए किसी खरीदार को ट्रांसफर नहीं होता है तो वाहन का मालिकाना हक आखिरी अधिकृत डीलर के नाम अपने आप ट्रांसफर होने का

प्रस्ताव है। यह बदलाव VAHAN सिस्टम में दर्ज किया जाएगा।

उदाहरण के तौर पर, अगर किसी वाहन को मालिक ने डीलर, को सौंपा और बाद में वह डीलर B के पास चला गया, तो छह महीने की समयसीमा के भीतर अंतिम रीदार के नाम Form 30 से ट्रांसफर होना ज़रूरी होगा। ऐसा नहीं होने पर प्रस्ताव के मुताबिक आखिरी डीलर

के नाम मालिकाना हक दर्ज हो सकता है।

क्या आम वाहन खरीदार को छह महीने में RC ट्रांसफर कराना होगा?

यहाँ भ्रम दूर करना ज़रूरी है। मौजूदा सामान्य RC ट्रांसफर प्रक्रिया में खरीदार के लिए अलग समयसीमा लागू है। एक ही राज्य में वाहन की बिक्री होने पर सामान्यतः ट्रांसफर की सूचना और आवेदन निर्धारित समय में करना होता है। संबंधित परिवहन विभाग के अनुसार, सामान्य ट्रांसफर के लिए Form 29 और Form 30 का इस्तेमाल किया जाता है।

इसलिए नए मसौदे की छह महीने वाली शर्त को सीधे यह कहना कि "हर खरीदार छह महीने में RC ट्रांसफर नहीं कराएगा तो गाड़ी का मालिकाना हक बदल जाएगा", सही नहीं होगा। **Form 29C क्यों लाया जा रहा है?**—नए मसौदे में Form 29C

को अधिकृत डीलरों के बीच वाहन की आवाजाही दर्ज करने के लिए प्रस्तावित किया गया है। इससे क्या होगा : – **किस डीलर के पास वाहन है, इसका रिकॉर्ड रहेगा।**

– वाहन के एक डीलर से दूसरे डीलर तक जाने की जानकारी VAHAN पर दर्ज होगी। – वाहन के अंतिम खरीदार तक पहुंचने की प्रक्रिया ज्यादा ट्रैक योग्य होगी। – पुराने वाहनों की बिक्री में पारदर्शिता बढ़ सकती है। – किन वाहनों के ट्रांसफर पर रोक लग सकती है? मसौदे में प्रस्ताव है कि कुछ परिस्थितियों में वाहन का डीलर को ट्रांसफर नहीं किया जा सकेगा। इनमें शामिल हैं :– RC वैध नहीं होना– इंश्योरेंस वैध नहीं होना – PUC प्रमाणपत्र वैध नहीं होना – पेंडिंग ट्रैफ़िक वालान – बकाया टैक्स या यूजर फ़ीस

Audi Q3 की बुकिंग शुरू हो चुकी है. कस्टमर्स 1 लाख रुपये देकर ऑफलाइन और ऑनलाइन करें बुक

ऑडी इंडिया ने भारत में तीसरी पीढ़ी यानि थर्ड जनरेशन की Audi Q3 के लिए बुकिंग शुरू कर दी है. त्योहारों के सीजन में होने वाली इसकी आधिकारिक लॉन्चिंग की दिशा में यह कंपनी का पहला स्टेप है. ग्राहकaudi.in, myAudi कनेक्ट ऐप या डीलरशिप के जरिए 1 लाख रुपये देकर इसकी ऑनलाइन या ऑफ़लाइन बुकिंग कर सकते हैं. ऑडी की SUV लाइनअप में एंट्री करने की सोच रहे खरीदारों के लिए अब यह नई Q3 सिर्फ एक झलक भर नहीं है, बल्कि BMW X1 और मर्सिडीज-बेंज लरूको टक्कर देने के लिए आने वाली इस हाइटेक कार को खरीदने का मौका है. आधिकारिक तौर पर इसकी कीमत का खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन अनुमान के मुताबिक इसकी एक्स-शोरूम कीमत 48 लाख रुपये से 60 लाख रुपये के बीच हो सकती है.

2026 Audi Q3: बुकिंग कैसे करें?

1 लाख रुपये की बुकिंग राशि ऑनलाइन या किसी भी ऑडी इंडिया डीलरशिप के जरिए दी जा सकती है. इससे त्योहारों के सीजन में शोरूम में कार आने से पहले आपको डिलीवरी की लाइन में प्राथमिकता मिल जाएगी. ऑडी ने अभी तक इसके वेरिएंट्स, भारत में आने वाले इंजन या डिलीवरी की तारीखों की पूरी जानकारी साझा नहीं की है.

हालांकि, भारतीय मॉडल में 2.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन मिलने की सबसे ज्यादा उम्मीद है, जो 204 bhp की पावर और 320 Nm का टॉर्क जनरेट करता है. इसमें 7-स्पीड डुअल-क्लच ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन मिलेगा. इसके अलावा क्राइड ऑल-व्हील ड्राइव (AWD) केवल टॉप-मॉडल में मिलने के बजाय सभी वेरिएंट्स में



स्टैंडर्ड मिल सकता है. शुरुआती बुकिंग करने वालों के लिए सबसे बड़ा फायदा गाड़ियों की प्राथमिकता से डिलीवरी मिलना हो सकता है, क्योंकि पुरानी Q3 बिना किसी बड़े बदलाव के सालों से बिक रही थी और इस नए मॉडल की मांग शुरुआती महीनों में काफी ज्यादा रहने की उम्मीद है.

2026 Audi Q3: डिजाइन और केबिन में क्या बदला है?

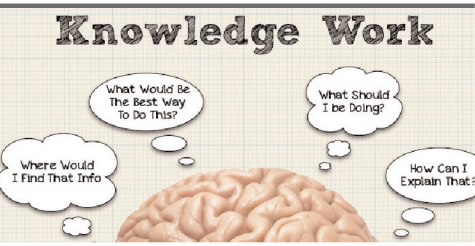
यह नई जनरेशन पुराने मॉडल के मुकाबले साइज और डिजाइन के मामले में एक बड़ा बदलाव है. इसकी लंबाई 4,531mm, चौड़ाई 1,859mm ऊंचाई 1,623mmऔर व्हीलबेस 2,681mm है, जो हर मामले में पुरानी कार से बड़ी है. अंदर की तरफ केबिन में 12.8-इंच का टचस्क्रीन और 11.9-इंच का डिजिटल इंड्रवर डिस्प्ले मिलता है. गियर बदलने के लिए कंसोल

के बजाय स्टीयरिंग के पास स्टॉल-माउंटेड गियर सेलेक्टर दिया गया है.

इसके अलावा सोनोस साउंड सिस्टम, पैनोरमिक सनरूफ़, वायरलेस स्मार्टफ़ोन कनेक्टिविटी और 488-लीटर का बूट स्पेस मिलता है. ऑडी ने सभी फीचर्स को टचस्क्रीन में डालने के बजाय सेंटर कंसोल पर ज़रूरी कामों के लिए फिजिकल बटन भी दिए हैं, जिससे गाड़ी चलाते समय इन्हें इस्तेमाल करना आसान रहता है.

खरीदारों के लिए इसका क्या मतलब है?

इस सेगमेंट में खरीदारी करने वाले भारतीय ग्राहकों के लिए सेगमेंट में पहली बार मिलने वाला AWD, बिग साइज और नया केबिन सबसे खास बात है. आज से शुरू हुई यह बुकिंग विंडो तो बस पहला स्टेप है, लॉन्च के वक्त ही इसकी सही कीमत और वेरिएंट्स की पूरी जानकारी सामने आएगी.





विटामिन E एक महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट है जो हमारे शरीर की कोशिकाओं को फ्री रेडिकल्स से बचाता है। यह हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्युनिटी को मजबूत करने में भी मदद करता है। विटामिन E त्वचा, आंखों, मांसपेशियों और दिमाग की सेहत के लिए बहुत जरूरी होता है। लेकिन अगर शरीर में विटामिन E की कमी हो जाए तो धीरे-धीरे कई स्वास्थ्य समस्याएं सामने आने लगती हैं जो बाद में गंभीर बीमारियों का रूप भी ले सकती हैं।

विटामिन की कमी क्यों होती है?
विटामिन E वसा में घुलने वाला विटामिन है। इसका मतलब

विटामिन E की कमी के लक्षण और प्रभाव, इसे कैसे करें पूरा

यह है कि शरीर को विटामिन E को सही तरीके से अवशोषित करने के लिए वसा पचाने की जरूरत होती है। लेकिन कई बार शरीर में फैट को पचाने में दिक्कत होती है। ऐसे में विटामिन E भी ठीक से मिक्स नहीं हो पाता। ये दिक्कत ज्यादातर लिवर, पैंक्रियाज या आंतों से जुड़ी बीमारियों की वजह से होती हैं, जैसे कि सोलिएक डिजीज, क्रोहन डिजीज या पित्त की थैली की समस्या।

विटामिन E की कमी के लक्षण और प्रभाव

मांसपेशियों में कमजोरी और दर्द: विटामिन ध की कमी से मांसपेशियों को सही पोषण नहीं मिलता, जिससे मांसपेशियों में कमजोरी, थकान और दर्द होने लगते हैं। यदि ये कमी लंबे समय तक बनी रहती है, तो मसल्स की कार्य क्षमता भी कम हो जाती है।
नर्सों और न्यूरोलॉजिकल समस्याएं: विटामिन E हमारे nerv-



ous system को सुरक्षित रखता है। इसकी कमी से हाथ-पैर सुन्न पड़ने, झनझनाहट, चलने-फिरने में कठिनाई जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ये लक्षण न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर का संकेत हो सकते हैं।

कमजोर इम्युनिटी: विटामिन E इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। इसकी कमी से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है, जिससे बार-बार इन्फेक्शन हो सकता है।

आंखों की रोशनी पर प्रभाव: विटामिन E की कमी से आंखों की रोशनी कमजोर हो सकती है। खासतौर पर उम्र बढ़ने के साथ ये कमी आंखों में धुंधलापन और रेटिना से जुड़ी समस्याएं पैदा कर सकती है।

त्वचा और बालों की समस्याएं: विटामिन E की कमी से त्वचा रूखी, बेजान और खुजली वाली हो सकती है। समय से पहले क्यूरिया आ सकती हैं। बालों में रूखापन, झड़ना और दोमुंहे बाल भी विटामिन E की कमी के कारण हो सकते हैं।

एनीमिया (खून की कमी): विटामिन E रेड ब्लड सेल्स को ऑक्सीडेटिव डैमेज से बचाता है। इसकी कमी से रेड ब्लड सेल्स जल्दी टूटने लगते हैं, जिससे एनीमिया हो सकता है। यह खासतौर पर बच्चों और गर्भवती महिलाओं में अधिक खतरनाक हो सकता है।

विटामिन E की कमी में क्या खाएं? -
पालक और हरी पत्तेदार सब्जियां बादाम, सूरजमुखी के बीज - रोजाना 1 चम्मच एवोकाडो, अखरोट, मूंगफली, पिस्ता जैसे नट्स सब्जी पकाने के लिए वेंजिटेबल ऑयलस - जैसे सूरजमुखी तेल, ऑलिव ऑयल, कैनोला ऑयल (सीमित मात्रा में) फैटी फिश-जैसे सैल्मन, मैकेरल (जो नॉनवेज खाते हैं) प्लैवस सीड्स और चिया सीड्स -यदि भोजन से पर्याप्त विटामिन E नहीं मिल पा रहा है, तो डॉक्टर की सलाह से विटामिन E सप्लीमेंट भी ले सकते हैं। विटामिन E हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इसकी कमी से शरीर में कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए अपने भोजन में विटामिन E युक्त चीजों को शामिल करें और शरीर को स्वस्थ रखें। यदि आपको विटामिन E की कमी के कोई लक्षण महसूस हों, तो डॉक्टर से संपर्क करें और उचित जांच कराएं। स्वस्थ जीवन के लिए सही पोषण बहुत जरूरी है। नोट : किसी भी बीमारी से संबंधित कोई भी उपाय करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

जायका

डाइटपट घर पर बनाएं हरी मिर्च लहसुन का तीखा चटपटा अचार, क्या है रेसिपी

अगर आपको तीखा और स्वादिष्ट अचार पसंद है, तो हरी मिर्च और लहसुन का यह अचार आपके लिए बेस्ट है। यह अचार न सिर्फ खाने में मजेदार होता है, बल्कि इसे बनाना भी बहुत आसान और जल्दी होता है। आप इसे बस 10 मिनट में घर पर बना सकते हैं।

सामग्री
हरी मिर्च - 100 ग्राम (ताजी और कटी हुई)
लहसुन - 20-25 कलियां (छिली और कटी हुई)
सरसों का तेल - 4-5 टेबल स्पून
नमक -स्वादानुसार (लगभग 1-1.5 टेबल स्पून)
हल्दी पाउडर - 1/2 टीस्पून
संधा नमक (असली नमक) - 1 टीस्पून (अगर उपलब्ध हो)
आम का पाउडर (अमचूर) - 1 टीस्पून (खट्टापन देने के लिए)
लाल मिर्च पाउडर - 1 टीस्पून (यदि और तीखा चाहिए)
राई के दाने - 1 टीस्पून
हींग - एक चुटकी

बनाने की विधि

1. सबसे पहले हरी मिर्च को अच्छे से धोकर सुखा लें। फिर इन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। लहसुन की कलियों को छीलकर बारीक काट लें या कुट लें।
2. एक छोटी कटोरी में हल्दी पाउडर, नमक, संधा नमक, अमचूर पाउडर, लाल मिर्च पाउडर (अगर इस्तेमाल कर रहे हों), और हींग डालकर अच्छी तरह मिलाएं।



3. एक छोटी कड़ाही में सरसों का तेल डालें और मध्यम आंच पर गरम करें। तेल में राई के दाने डालें, जब वे चटकने लगें तो आंच बंद कर दें।
4. एक साफऔर सूखे कटोरे में हरी मिर्च और लहसुन डालें। ऊपर से मसाले वाला मिश्रण डालकर अच्छे से मिलाएं। अब गरम किया हुआ सरसों का तेल धीरे-धीरे डालें और सभी चीजों को अच्छी तरह मिलाएं ताकि मसाले मिर्च और लहसुन में अच्छी तरह घुल जाएं।
5. अचार को airtight कंटेनर में डालें। इसे कम से कम 10 मिनट के लिए ऐसे ही रहने दें ताकि मसाले मिर्च और लहसुन में अच्छी तरह से घुल जाएं।
यह अचार रोटी, पराठा, बाल चावल के साथ बहुत बढ़िया लगता है। इसे फ्रिज में रखकर 1-2 हफ्ते तक इस्तेमाल कर सकते हैं। तो फिर देर किस बात की!
10 मिनट में बनाएं यह चटपटा हरी मिर्च लहसुन का अचार और अपने खाने का मज़ा दोगुना करें।

हाथ गीले होने के बाद बार-बार हो जाते हैं Dry? तो करें ये काम

हाथ गीले होने के बाद बार-बार ड्राई होना एक सामान्य समस्या हो सकती है, खासकर अगर आप अवसर पानी के संपर्क में आते हैं या आपके हाथों की त्वचा सेंसिटिव है। महिलाएं सबसे ज्यादा इस दिक्कत से परेशान होती हैं। ऐसे में वह वह बहुत सी क्रीम्स का इस्तेमाल भी करती यहीं लेकिन फिर भी कुछ समय के बाद हाथ ड्राई हो जाते हैं। यहां हम कुछ उपाय आपके लिए लेकर आए हैं जिनसे आप अपनी त्वचा को ड्राई होने से बचा सकते हैं:

मॉइस्चराइजिंग-हैंड क्रीम: हाथ धोने के बाद तुरंत एक अच्छी गुणवत्ता वाली हैंड क्रीम लगाएँ। ऐसा करने से त्वचा को नमी मिलती है और ड्राइनेस से बचाव होता है।

हैण्ड लोशन: हल्के हाथ के लोशन का भी उपयोग किया जा सकता है जो त्वचा को नमी प्रदान करता है।

सही साबुन का उपयोग करें- एंटीबैक्टीरियल और हार्श साबुन से बचें। इनसे त्वचा की प्राकृतिक तेल की परत हट सकती है। माइल्ड और हाइपोएलर्जिक साबुन का प्रयोग करें।

सही तरीके से हाथ धोएं

गर्म पानी से धोएं: बहुत गर्म या ठंडे पानी से हाथ धोने से त्वचा सूख सकती है। गुनगुने पानी का उपयोग करें।

मुलायम तौलिया से पोंछें: हाथ धोने के बाद सीधे तौलिया से थपथपाकर सुखाएं, रगड़ें नहीं।

नेचुरल उपचार-कोको बटर और शीया बटर: ये प्राकृतिक बटर त्वचा को गहराई से नमी प्रदान करते हैं।

नारियल तेल: हाथों में नारियल तेल लगाने से त्वचा को हाइड्रेट किया जा सकता है। इसे रात भर छोड़ दें और सुबह धो लें।
ग्लक्स का उपयोग करें
रसोई के काम करते समय: जब आप रसोई में काम कर रहे हों और पानी से संपर्क में आ रहे हों, तो रबर या प्लास्टिक के ग्लक्स पहनें।
सर्दियों में: ठंडे मौसम में बाहर निकलते समय गर्म दस्ताने पहनें।

आहार में बदलाव
हाइड्रेशन: अधिक पानी पीने से आपकी त्वचा अंदर से हाइड्रेटेड रहती है। प्रतिदिन कम से कम 8-10 गिलास पानी पीने की कोशिश करें।
ओमेगा-3 फैटी एसिड: अपनी डाइट में ओमेगा-3 फैटी एसिड युक्त खाद्य पदार्थ जैसे अलसी, चिया बीज, और मछली शामिल करें, जो त्वचा की नमी को बनाए रखने में मदद करते हैं।
त्वचा को स्वस्थ रखें
स्किन केयर रूटीन: नियमित रूप से स्किनकेयर रूटीन अपनाएं जिसमें स्क्रबिंग और मॉस्किंग शामिल हो। इससे मृत कोशिकाएं हटेंगी और त्वचा की नमी बनाए रखने में मदद मिलेगी।
सही ह्यूमिडिटी: घर या ऑफिस में ह्यूमिडिफायर का उपयोग करें, खासकर सर्दियों में जब हवा सूखी होती है।

क्या आप भी विदेश यात्रा की योजना बना रहे हैं तो लेकिन हर बात दिक्कतें रास्ता रोक देती है तो यह खबर आपके लिए है। वास्तु शास्त्र में विदेश यात्रा के योग बनाने के आसान उपाय बताए गए हैं। ये उपाय घर के अंदर सही ऊर्जा का प्रवाह सुनिश्चित करते हैं और विदेश यात्रा की संभावनाओं को बढ़ाते हैं।

उत्तर-पश्चिम (नॉर्थ-वेस्ट) दिशा को सक्रिय रखें
वास्तु शास्त्र में उत्तर-पश्चिम दिशा को यात्रा की दिशा माना जाता है। विदेश यात्रा के योग बनने के लिए इस दिशा का विशेष ध्यान रखना चाहिए। यहाँ कमरे में कोई भारी सामान या गंदगी नहीं होनी चाहिए। आप इस दिशा को हल्का और साफ-सुथरा रखें, जिससे यात्रा के मार्ग में आने वाली रुकावटें दूर हो सकें। घर की उत्तर दिशा में तांबे का पात्र रखें और उसमें पानी भरें। यह धन और यात्रा के अवसरों को आकर्षित करने के लिए शुभ माना जाता है।

नीले और सफेद रंग का इस्तेमाल करें
घर के उत्तर-पश्चिम दिशा में नीले और सफेद रंग का इस्तेमाल करें। आप इस दिशा की दीवारों पर हल्का नीला या सफेद रंग कर सकते हैं, या वहां नीले और सफेद रंग की सजावट का उपयोग कर सकते हैं। यह सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है और विदेश यात्रा के योग बनाने में सहायक होता है।

भगवान शिव की पूजा
विदेश यात्रा के योग बनाने के लिए भगवान



शिव की उपासना करें। हर सोमवार को शिवलिंग पर जल चढ़ाएं और "ॐ नमः शिवाय" का जाप करें। भगवान शिव की कृपा से आपकी विदेश यात्रा के रास्ते में आने वाली बाधाएं दूर हो सकती हैं। रोजाना पक्षियों को दाना खिलाने से भी विदेश यात्रा के योग बनते हैं। खासकर शनिवार के दिन काले तिल, उड़द, या बाजरा पक्षियों को खिलाएं। यह उपाय न केवल वास्तु में शुभ माना जाता है, बल्कि आपके कर्मों का फल भी सकारात्मक रूप में मिलता है।

विदेश यात्रा की इच्छा का संकेत देने वाला चित्र लगाएं
घर की उत्तर या उत्तर-पश्चिम दिशा में किसी हवाई जहाज या समुद्री जहाज का चित्र लगाएं।

यह संकेतक के रूप में कार्य करता है और आपको विदेश यात्रा के अवसरों की ओर आकर्षित करता है। साथ ही, यह मन में यात्रा की भावना को मजबूत करता है और सकारात्मक ऊर्जा देता है। ज्योतिष के अनुसार, चंद्रमा और बुध का प्रभाव विदेश यात्रा के योग बनाने में महत्वपूर्ण होता है। आप अपनी कुड़ली में इन ग्रहों की स्थिति जानकर उनके

अनुकूल उपाय कर सकते हैं। इसके लिए नियमित रूप से चंद्रमा और बुध के मंत्रों का जाप करें और बुधवार के दिन हरे वस्त्र धारण करें।

सफेद घोड़े की प्रतिमा रखें
उत्तर-पश्चिम दिशा में सफेद घोड़े की प्रतिमा रखना विदेश यात्रा के योग बनाने के लिए शुभ माना जाता है। सफेद घोड़ा ऊर्जा और गति का प्रतीक है, जो आपकी विदेश यात्रा की संभावनाओं को बढ़ाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, दक्षिण-पूर्व दिशा आग और ऊर्जा की दिशा मानी जाती है। इस दिशा में धन और यात्रा से जुड़े दस्तावेज, जैसे पासपोर्ट और वीजा, रखना विदेश यात्रा के योग बनाने में सहायक होता है।

बारसात में नहीं लेना चाहते हैं रिस्क, तो भूलकर भी परिवार के साथ न जाएं इन जगहों पर

मानसून में पहाड़ों पर घूमना बहुत रोमांचक हो सकता है, लेकिन हिमाचल प्रदेश की कुछ जगहों पर भारी बारिश के कारण खतरनाक परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। हिमाचल प्रदेश में पिछले 24 घंटे की अवधि के दौरान हुई भारी बारिश के कारण 15 सड़कें वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दी गईं। इसके साथ ही मौसम विभाग ने अगले चार दिन यानी 28 जुलाई तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश का ‘येलो अलर्ट’ जारी किया है। यदि आप घूमने के लिए हिमाचल जाने का प्लान बना रहे हैं तो अभी रूक जाइए।

हिमाचल में कई सड़कें बंद
राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, कुल 15 सड़कें वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दी गईं, जिनमें मंडी की 12, किन्नौर की दो और कांगड़ा जिले की एक



सड़क शामिल हैं। मौसम विभाग ने तेज हवाओं और निचले इलाकों में जलभराव के कारण राज्य में बागानों और फसलों, कमजोर संरचनाओं तथा कच्चे घरों को होने वाले नुकसान के बारे में भी चेतावनी दी है।
पर्यटक रहें अलर्ट- जनजातीय जिला लाहौल और स्पीति का

कुकुमसेरी मंगलवार रात 10.2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे ठंडा रहा, जबकि ऊना दिन में सबसे गर्म रहा जहां तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ऐसे में पर्यटकों को यही सलाह दी जा रही है कि कुल्लू, मनाली, धर्मशाला, मैवलोगंज, और शिमला जैसे स्थानों पर यात्रा करते समय विशेष सावधानी बरतें और सभी सुरक्षा उपायों का पालन करें।

इन जगहों पर जाना सही नहीं
कुल्लू और मनाली मानसून के दौरान भारी बारिश और भूस्खलन के लिए जाने जाते हैं। सड़कों पर पानी भरने और भूस्खलन की वजह से यात्रा के दौरान दुर्घटनाओं की

संभावना रहती है।धर्मशाला और मैवलोगंज में भी मानसून के दौरान भूस्खलन का खतरा रहता है। बारिश के कारण सड़कें बंद हो सकती हैं और या त्रा या त्रा प्रभावित हो सकता है। शिमला में भारी बारिश के कारण

सड़कों पर पानी भर जाता है, जिससे यात्रा करना खतरनाक हो सकता है।

मानसून में सफ़र करने के दौरान बरतें सावधानी

-यात्रा से पहले मौसम का पूर्वानुमान जरूर देखें और

उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं।अगर मौसम खराब है, तो यात्रा को टालना बेहतर होगा।
-स्थानीय लोगों से वर्तमान मौसम की स्थिति और सड़कों की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त करें। वे आपको अधिक सही और अद्यतन जानकारी प्रदान कर सकते हैं।
-ऐसे मार्गों का चयन करें जो कम भूस्खलन प्रवण हों और जहां सुरक्षा के उपाय बेहतर हों।



यामी गौतम की हॉरर-कॉमेडी ‘नई नवेली’, दुल्हन जिस पर लगा डायन होने का इल्जाम, 16 अक्टूबर को होगी रिलीज

यामी गौतम की आने वाली डरावनी और रहस्यमयी फिल्म नई नवेली का टीजर जारी हो गया है। गुरुवार को सामने आए करीब डेढ़ मिनट के इस टीजर में यामी गौतम एक नई-नई दुल्हन मोहिनी के किरदार में नजर आ रही हैं। शादी के बाद सब कुछ ठीक चल रहा होता है, लेकिन अचानक परिवार में मोहिनी को लेकर ऐसा शक पैदा होता है कि उस पर डायन होने का आरोप लग जाता है। परिवार की बैठक में लगा डायन होने का आरोप टीजर की शुरुआत परिवार की एक बैठक से होती है। परिवार का एक सदस्य अपनी भाभी मोहिनी को लेकर कुछ कहना चाहता है। काफी पृष्ठने पर वह अचानक कह देता है कि उसे लगता है कि मोहिनी एक डायन है। यह सुनते ही परिवार के लोग भड़क जाते हैं और उसे थप्पड़ तक मार देते हैं। लेकिन इसके बाद कहानी में ऐसा मोड़ आता है, जिससे दर्शकों के मन में भी सवाल खड़ा हो जाता है कि आखिर मोहिनी के बारे में कही गई बात पूरी तरह गलत है या इसके पीछे कोई बड़ा रहस्य छिपा है।

हवा में तैरती नजर आई यामी गौतम टीजर में यामी गौतम का किरदार हवा में तैरता हुआ भी दिखाई देता है। मोहिनी का अंदाज डरावना होने के साथ-साथ मजेदार भी है। वह अपने बारे में ऐसी बात कहती है, जिससे संकेत मिलता है कि वह कोई साधारण इंसान नहीं है। मोहिनी मजाकिया अंदाज में कहती है कि वह नाश्ते में दो डायन, तीन पिशाच और चार भूत खा जाती है। उसका यह अंदाज फिल्म में डर के साथ हास्य का रंग भी दिखाता है।

डर के साथ हंसी और रहस्य का तड़का नई नवेली सिर्फ डराने वाली फिल्म नहीं लग रही है। टीजर में पारिवारिक रिश्तों, हंसी-मजाक, डर और रहस्य को एक साथ दिखाया गया है। फिल्म की कहानी मेरठ के एक परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां एक खूबसूरत नई दुल्हन के आने के बाद घर का माहौल ही बदल जाता है। फिल्म के निर्माताओं का कहना है कि इसमें तनु वेड्स मनु जैसी मस्ती और तुम्बाडू जैसा रहस्य देखने को मिलेगा। ऐसे में दर्शकों की दिलचस्पी इस बात को लेकर बढ़ गई है कि मोहिनी आखिर कौन है और उसके बारे में परिवार के सदस्य को ऐसा शक क्यों होता है।

16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आएंगी फिल्म नई नवेली का निर्देशन बालाजी मोहन ने किया है। फिल्म



का निर्माण आनंद एल. राय और हिमांशु शर्मा ने किया है। इसकी कहानी हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है, जबकि संगीत जी. वी. प्रकाश कुमार ने दिया है। यह फिल्म 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यामी गौतम के अलावा फिल्म में आदिनाथ एम. कोठारे, अनुराग ठाकुर, सुनीता राजवार, मीता वशिष्ठ, आदित्य कुलश्रेष्ठ, सुस्मिता मुखर्जी, सोनल झा, सुनील सिन्हा, प्रतीक पचौरी, अक्षत सिंह, बबीता पांडे, अजय पाल और नीरज सिंह भी नजर आएंगे।

क्या सच में डायन है मोहिनी? फिल्म की कहानी के मुताबिक, एक खूबसूरत दुल्हन मोहिनी मेरठ के एक परिवार में आती है। शुरुआत में उसका आना परिवार के लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं लगता, लेकिन जल्द ही उसके देवर को शक होने लगता है कि इस दुल्हन के पीछे कोई डरावना राज छिपा है।

टीवी कलाकार गौरव खन्ना और आकांक्षा चमोला के तलाक की चर्चाओं के बीच ओरी ने आकांक्षा पर साधा निशाना

टीवी की दुनिया के चर्चित जोड़े आकांक्षा चमोला और गौरव खन्ना अपने रिश्ते को लेकर सुर्खियों में हैं। दोनों अलग हो चुके हैं और जल्द ही तलाक लेने वाले हैं। हालांकि, दोनों इस रिश्ते को कड़वाहट के साथ खत्म करने से बचने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं। जहां आकांक्षा अपने हालिया साक्षात्कारों में तलाक और गौरव को लेकर खुलकर बात कर रही हैं, वहीं गौरव ने इस मामले पर अब तक चुप्पी बनाए रखी है। आकांक्षा चमोला पर क्यों भड़के ओरी? ओरी ने हाल ही में एक बातचीत में आकांक्षा चमोला के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि कोई किसी के प्रसिद्ध होने का फायदा नहीं उठाता। इस पर ओरी ने कहा कि वह खुद दूसरों के नाम और चेहरे का इस्तेमाल करने के मामले में सबसे आगे हैं, इसलिए उन्हें अच्छी तरह पता है कि यह कैसे किया जाता है। ओरी ने दावा किया कि आकांक्षा खुद को चर्चा में बनाए रखने के लिए गौरव के नाम का इस्तेमाल कर रही हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर कोई व्यक्ति करीब 10 साल तक

शादीशुदा रहा हो तो उसके बारे में राष्ट्रीय टेलीविजन पर इतनी नकारात्मक बातें करना कितना सही है। गौरव खन्ना की तारीफ में क्या बोले ओरी? ओरी ने गौरव खन्ना की तारीफ करते हुए उन्हें बहुत अच्छा इंसान और सज्जन बताया। उन्होंने कहा कि गौरव ने इस पूरे मामले पर सार्वजनिक रूप से ज्यादा कुछ नहीं कहा है। ओरी ने यह भी बताया कि 'खतरों के खिलाड़ी 15' की शूटिंग के दौरान उन्होंने और गौरव ने एक ही वैनिटी कैश साझा किया था। ओरी के मुताबिक, उस दौरान उन्हें महसूस हो गया था कि गौरव किसी बात को लेकर परेशान हैं। हालांकि, उन्हें उस समय यह पता नहीं था कि असल वजह क्या है। आकांक्षा के बयान पर भी ओरी ने दी प्रतिक्रिया ओरी ने कहा कि उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि मामला इतना आगे बढ़ चुका है। उन्होंने कहा कि आम तौर पर कोई यह नहीं सोच सकता कि किसी की पत्नी राष्ट्रीय



टेलीविजन पर अपने रिश्ते और निजी जिंदगी को लेकर इस तरह की घोषणा करेगी।

61 साल की हैचर The Devil Wears Prada: Musical में रोल निभाने के लिए लॉस एंजिल्स से जाएंगी लंदन

'डेस्परेट हाउसवाइव्स' की लोकप्रिय स्टार और हॉलीवुड अभिनेत्री टैरी हैचर वेस्ट एंड स्टेज पर थिएटर इतिहास के सबसे प्रतिष्ठित किरदारों में से एक निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। 61 वर्षीय हैचर आगामी 20 अक्टूबर से लंदन के डोमिनियन थिएटर में हिट शो 'द डेविल वेयर्स प्राडा: द म्यूजिकल' में सख्त मिजाज और तीखी ज़बान वाली फैशन बॉस मिरांडा प्रीस्टली के रोल में दिग्गज अभिनेत्री वैनसा विलियम्स की जगह लेंगी। इस यादगार भूमिका के लिए टैरी हैचर लॉस एंजिल्स से लंदन शिफ्ट हो रही हैं।

61 साल की हैचर इस हिट म्यूजिकल में रोल निभाने के लिए लॉस एंजिल्स से लंदन चली जाएंगी। पेरिस में 'HELLO!' के फ्रेटोशूट के दौरान अपनी जिंदगी के इस नए पड़ाव के बारे में बात करते हुए, एक्टर ने कहा कि वह इस यादगार किरदार में अपने अनुभव और विकास को शामिल करने के लिए उत्साहित हैं।

टैरी ने मौजगीन को बताया, "मैंने बहुत कुछ अनुभव किया है और काफी आगे बढ़ी हूँ, और मैं अपनी 'डेविल वेयर्स प्राडा' परफॉर्मेंस में यह सब शामिल कर पाऊँगी। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए एक तोहफा है—एक ऐसी टैरी हैचर के रूप में

सामने आना जो मैं अब तक नहीं बन पाई थी, और मैं इसके लिए बहुत उत्साहित हूँ।"

हालाँकि हैचर ने अभी तक लंदन प्रोडक्शन नहीं देखा है, लेकिन उनकी 28 साल की बेटी इमर्सन ने डोमिनियन थिएटर में वैनसा विलियम्स को परफॉर्म करते देखा है और अपनी माँ को यह रोल निभाने के लिए प्रोत्साहित किया है। हैचर ने याद करते हुए कहा, "उसने वैनसा को इसमें देखा था और कहा था कि यह बहुत बढ़िया था, इसलिए जब मुझे यह मौका मिला तो वह पहली व्यक्ति थीं जिसने कहा: 'ओह माय गॉड, तुम्हें यह जरूर करना चाहिए, तुम्हें बहुत मज़ा आएगा।'"

2006 की ओरिजिनल फिल्म और उसके हिट सीकल की बहुत बड़ी फैन होने के नाते, हैचर ने मिरांडा प्रीस्टली के तौर पर अपने वेस्ट एंड डेब्यू की तैयारी शुरू कर दी है। रोल संभालने से पहले वह वैनसा विलियम्स और मेट हेनरी (जो मिरांडा के सहयोगी निगेल का रोल निभाते हैं) के संपर्क में भी रही हैं। हालाँकि टैरी हैचर 'डेस्परेट हाउसवाइव्स' और 'लौइस एंड वलाक: द न्यू एडवेंचर्स ऑफ़ सुपरमैन' में अपने रोल के लिए सबसे ज्यादा जानी जाती हैं, लेकिन म्यूजिकल थिएटर उनके लिए कोई नई बात नहीं है।



खेल तान्या चौधरी ने इंडियन एथलेटिक्स सीरीज फाइनल में 68.35 मीटर का थ्रो कर नया राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित किया

नयी दिल्ली, 10 सितंबर उत्तर प्रदेश की तान्या चौधरी ने महिलाओं की तार गोला फेंक स्पर्धा में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर खिताब जीतकर जबकि चोट से उबरकर लौटे अविनाश साबले ने बुधस्पतिवार को यहां इंडियन एथलेटिक्स सीरीज फइनल में एक साल से अधिक समय बाद अपनी पहली 3000 मीटर स्टीपलचेज रेस में शानदार जीत दर्ज की। बाइस वर्षीय तान्या 68.35 मीटर के प्रयास के साथ शीर्ष पर रहीं। उन्होंने अपनी ही राज्य की अनुष्का यादव के जून में बनाए 67.02 मीटर के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर किया।

अनुष्का 66.34 मीटर के प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। तान्या और अनुष्का दोनों एशियाई खेलों की भारतीय टीम में शामिल हैं। महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व कर रहे स्टार स्टीपलचेज धावक साबले ने आठ मिनट 32.39 सेकेंड के समय के साथ पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा जीती। इतिहास

यह एक साल से अधिक समय में इस स्पर्धा में उनकी पहली रेस थी। इकतीस वर्षीय साबले ने पिछले साल एसीएल सर्जरी कराने के बाद इस सत्र में अब तक सिर्फ एक रेस में हिस्सा लिया है। उन्होंने अगस्त में बेल्टियम में 5000 मीटर की रेस में शिरकत की थी।

साबले ने 2023 में हांगकौंग एशियाई खेलों में 3000 मीटर स्टीपलचेज का स्वर्ण और 5000 मीटर में रजत पदक जीता था। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफ़आई) ने एशियाई खेलों के आयोजकों से साबले का 5000 मीटर में भी प्रवेश स्वीकार करने का अनुरोध किया है, हालांकि 3000 मीटर स्टीपलचेज में उनकी भागीदारी की पुष्टि हो चुकी है। साबले ने कहा, "मैं 3000 मीटर स्टीपलचेज और 5000 मीटर दोनों के लिए प्रशिक्षण ले रहा हूँ।

उम्मीद है कि मैं एशियाई खेलों में दोनों स्पर्धाओं में दौड़ूंगा।" तान्या



और साबले दोनों को विजेता के तौर पर एक-एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिली। राष्ट्रीय महासंघ ने एकदिवसीय प्रतियोगिता को आकर्षक बनाने के लिए कुल 65 लाख रुपये की पुरस्कार राशि रखी है। सभी 30 स्पर्धाओं के विजेताओं को एक-एक लाख रुपये मिलेंगे।

दूसरे स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों को 50,000 रुपये, जबकि तीसरे, चौथे, पांचवें और छठे स्थान के खिलाड़ियों को क्रमशः 25 हजार, 20 हजार, 15 हजार और 10 हजार रुपये दिए जाएंगे। तान्या ने कहा कि वह पिछले तीन साल से राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने के प्रयास में जुटी थीं। उन्होंने कहा, "मेरा पिछला व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 63.91 मीटर था।

जब भगवान विष्णु ने वराह (शूकर) अवतार लेकर धरती को बचाया ? जानें कहानी

क्या आप जानते हैं कि भगवान विष्णु को वराह यानी शूकर का अवतार क्यों लेना पड़ा और उनके इस अवतार से जुड़ी पौराणिक कथा क्या है? प्रभाव खबर डिजिटल के विशेष अंक 'विष्णु के अंशावतार की कथा' की अगली कड़ी में आज हम आपको 'वराह अवतार' की पूरी कहानी बता रहे हैं।

किस देवता का है वराह अवतार? भगवान विष्णु के प्रमुख अवतारों में वराह अवतार का भी विशेष महत्व है। पौराणिक कथा के अनुसार, सतयुग में हिरण्याक्ष नामक राक्षस ने पृथ्वी को समुद्र में छिपा दिया था, श्रीमद्भगवत महापुराण के अनुसार, तब ब्रह्मा जी की नाक से भगवान विष्णु वराह (शूकर) यानी सुअर के रूप में प्रकट हुए और अपनी दांतों पर धरती को भू-लोक (पृथ्वी लोक) पर फिर से स्थापित किया।

निवास स्थान) के मुख्य द्वार की रक्षा के लिए जय और विजय नाम के दो द्वारपाल थे। एक बार उन्होंने सनक, सनंदन, सनातन और सनत्कुमार को बैकुंठ में जाने से रोक दिया, जिस पर वे क्रोधित हो गए। उन्होंने द्वारपालों से कहा- "भगवान विष्णु की शरण में रहने की वजह से तुम्हारे भीतर अहंकार आ गया है। अहंकारी बैकुंठ में निवास नहीं कर सकते।" इतना कहते हुए उन्होंने जय-विजय को राक्षस वाली जिंदगी जीने का श्राप दे दिया।

हिरण्याक्ष ने ब्रह्मा जी से क्या मांगा था वरदान? सनकादि ऋषि (सनक, सनंदन, सनातन और सनत्कुमार) के श्राप के प्रभाव से बाद में दोनों ने दिति (राजा दक्ष की पुत्री) की कोख से जन्म लिया, जिन्हें हिरण्याक्ष और हिरण्यकशिपु के नाम से जाना गया। कथा के मुताबिक, हिरण्याक्ष ने ब्रह्मा जी को प्रसन्न करने के लिए कठोर



तपस्या की। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा जी ने वरदान दिया कि उसे कोई हरा नहीं सकता। ब्रह्मा जी से मिले वरदान का गलत फायदा उठाकर हिरण्याक्ष ने इंद्रलोक पर अपना अधिकार प्राप्त करने के लिए पूरी धरती को अपने

वश में ले लिया। साथ ही, उसने अपनी शक्ति के अहंकार में धरती को समुद्र में डुबो दिया।

अब चिंता में पड़ गए देवता शक्ति के अहंकार में चूर हिरण्याक्ष ने वरुण देव (समुद्र के देवता) को युद्ध के लिए ललकारा। वरुण देव ने हिरण्याक्ष की चुनौती को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने हिरण्याक्ष से कहा कि वह भगवान विष्णु से युद्ध कर अपनी ताकत दिखाएं। वरुण देव के कहने पर हिरण्याक्ष भगवान विष्णु से युद्ध करने निकला। राक्षस हिरण्याक्ष और वरुण देव के बीच हुई बातचीत को सुनकर दूसरे देवता भी चिंता में पड़ गए।

तब हिरण्याक्ष से छुटकारा पाने के लिए देवताओं ने ब्रह्मा जी से प्रार्थना की।

कैसे हुआ भगवान विष्णु का वराह अवतार? देवताओं की चिंता को ध्यान में रखते हुए ब्रह्मा जी ने

भगवान विष्णु का ध्यान किया, तब उनकी नाक से भगवान विष्णु वराह यानी सुअर के रूप में प्रकट हुए। दूसरी ओर, राक्षस हिरण्याक्ष भगवान विष्णु को खोजते-खोजते नारद जी के पास पहुंचा और विष्णु जी का पता पूछा।

तब नारद ने हिरण्याक्ष को कहा कि भगवान विष्णु का वराह अवतार हो चुका है और वे पृथ्वी को बचाने के लिए समुद्र में हैं। इतना जानते ही हिरण्याक्ष समुद्र में उस स्थान पर चला गया, जहां उसने धरती को छिपा रखा था।

वह जैसे ही उस स्थान पर पहुंचा, उसने देखा कि भगवान विष्णु वराह अवतार में अपनी थुथनी (सुअर के मुंह का आगे का हिस्सा) पर पृथ्वी को उठाकर ले जा रहे हैं। यह देखकर हिरण्याक्ष क्रोधित हो उठा और भगवान विष्णु से युद्ध करने लगा। युद्ध में भगवान विष्णु के अंश अवतार वराह ने हिरण्याक्ष का वध किया और पृथ्वी को उसके स्थान पर स्थापित किया।

2026 में वराह जयंती कब है? वराह, भगवान विष्णु का तीसरा अवतार है। हर साल भाद्रपद यानी भादो मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को वराह जयंती मनाई जाती है। पौराणिक मान्यता है कि सतयुग में इसी तिथि पर भगवान विष्णु ने पृथ्वी को समुद्र से बाहर निकाला था। मिथिला और काशी पंचांग के अनुसार, 2026 में वराह जयंती रविवार, 13 सितंबर को मनाई जाएगी।

सार – संक्षेप

नेशनल हेराल्ड मामले में अब 9 अक्टूबर को होगी अगली सुनवाई



नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई टाल दी। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को तय की है। जस्टिस मनोज जैन की एकल पीठ ने मामले को स्थगित करते हुए अगली तारीख निर्धारित की। ईडी ने राजज एपेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश के 16 दिसंबर 2025 के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें अदालत ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दायर ईडी की अभियोजन शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। ट्रायल कोर्ट ने शिकायत को कानून के तहत सुनवाई योग्य नहीं माना था।

बोलेरो गाड़ी खड़े ट्रक से टकराई, छत्तीसगढ़ के 9 यात्रियों की मौत

भंडारा। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में 9 यात्रियों की मौत हो गई। मरने वालों में 6 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल के लिए भेजा। यह हादसा भंडारा जिले के पिपलगांव के पास नागपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ, जहां बोलेरो गाड़ी खड़े ट्रक से जा टकराई। शुरुआती जानकारी में पता चला है कि बोलेरो गाड़ी में 16 से 17 लोग सवार थे। सभी लोग छत्तीसगढ़ से तीज त्योहार के लिए नागपुर जा रहे थे।

आकाश आनंद पर क्यों गिरी गाज? मायावती का यूपी चुनाव में क्या है प्लान

अशोक सिद्धार्थ ने राजनीति से संन्यास लेने का ऐलान किया, लेकिन इससे बीएसपी में उनके दामाद आकाश आनंद की जगह नहीं बच पाई। गुरुवार को मायावती ने अपने भतीजे को पार्टी से निकाल दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि आनंद ने बहुजन आंदोलन से ज्यादा परिवार के प्रति वफ़ादारी को अहमियत दी। यह फैसला 3 सितंबर को आनंद को राष्ट्रीय समन्वयक के पद से हटाए जाने के एक हफ्ते बाद आया। मायावती ने पार्टी में उनकी सक्रिय भूमिका में वापसी को सिद्धार्थ के राजनीति से पूरी तरह हटने से जोड़ा था। जब यह घोषणा हुई, तो उन्होंने कहा कि यह बहुत देर से आया है। बार-बार मौके, बार-बार झटके-मायावती के नेतृत्व में आकाश के राजनीतिक सफ़र में कई उतार-चढ़ाव आए हैं, और यह उनका सबसे ताजा झटका है। उन्हें पहली बार मई 2024 में और फिर मार्च 2025 में बीएसपी से निकाला गया था। दोनों ही बार, उन्हें एक महीने के अंदर



वापस ले लिया गया और बाद में अहम जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। उन्हें संगठन की एक बड़ी भूमिका से हटाने का ताजा मामला 3 सितंबर को सामने आया, जब बीएसपी ने उन्हें राष्ट्रीय समन्वयक के पद से हटा दिया। इस घटनाक्रम से पता चलता है कि बार-बार मौके मिलने के बावजूद, आकाश बीएसपी प्रमुख का भरोसा बनाए रखने में नाकाम रहे। ईशान पर भरोसा-इस माहौल में, आकाश के छोटे भाई ईशान आनंद द्वारा मायावती के बयान

को तुरंत रीपोस्ट करने की खबर अहम हो जाती है। मायावती ने हाल ही में ईशान को पार्टी में अहम जिम्मेदारियाँ सौंपी हैं। जहाँ आकाश का पहले वाले पोस्ट को रीपोस्ट न करना आलोचना का विषय बना, वहीं मायावती के रुख का समर्थन करने के लिए ईशान की तत्परता दोनों भाइयों के बीच एक बड़ा अंतर दिखाती है। अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटाने के चार दिन बाद, मायावती ने सोमवार को अपने छोटे भतीजे ईशान आनंद को पार्टी के संगठन में एक अहम पद पर नियुक्त किया। बीएसपी के पदाधिकारियों का कहना है कि लखनऊ में हुई पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद ईशान की बढ़ती भूमिका को लेकर अटकलें तेज हो गईं; इस बैठक में ईशान भी मौजूद थे। पार्टी के पदाधिकारियों का मानना ​​है कि वह मायावती के उत्तराधिकारी हो सकते हैं और उनकी हालिया नियुक्ति इसी बात का संकेत है।

प्राकृतिक

आरोग्य रस



हमारे यहां ज़वादा, आंवला, लोकी, करेली, बीट (वुकन्दर), नीम का ताज़ा रस मिलता है।

अंकुरित अनाज, अलसी और सभी प्रकार के अचार मिलते हैं।

स्थान-

1. नेहरू नगर, गुरुद्वारा रोड, भेलवा पार्क के पास, संपर्क- 8962668141
2. सेक्टर-1 अवेडकर पार्क के सामने, संपर्क- 8349688865

उत्तराखंड की संस्कृति - लोग, धर्म, जीवन शैली, कला और शिल्प

उत्तराखंड के लोग प्रकृति और समृद्ध पौराणिक कथाओं के साथ अपने गहरे जुड़ाव के कारण साल भर उज्ज्वल उत्सव मनाते हैं और अनुष्ठान करते हैं। उनकी सरल जीवनशैली की तरह, उत्तराखंड के त्योहार और मेले भी सरल लेकिन सांस्कृतिक रूप से समृद्ध हैं। प्रत्येक ऋतु का हार्दिक लोकगीतों और नृत्यों के साथ स्वागत किया जाता है और इसी प्रकार कृषि काल का भी स्वागत किया जाता है। पूर्वजों की आत्मा की पूजा विशेष रूप से राज्य के लिए है, जागर,



जैसा कि इसे स्थानीय रूप से कहा जाता है, देवताओं और स्थानीय देवताओं को उनकी निष्क्रिय अवस्था से जगाने और उनकी समस्याओं को हल करने और उन पर कई आशीर्वाद बरसाने के लिए अर्पणजित की जाती है। धर्म के बारे में-उत्तराखंड में लोगों का एक बड़ा वर्ग हिंदू है। हालाँकि, राज्य में एक धर्मनिरपेक्ष माहौल बना हुआ है, जिसमें

इस्लाम, सिख, बौद्ध धर्म और ईसाई धर्म जैसे अन्य धर्मों के लोगों की बड़ी संख्या है। 2011 में हुई जनगणना के अनुसार, उत्तराखंड की कुल आबादी में लगभग 82.97% हिंदू धर्म थे, जबकि इस्लाम को मानने वाले लोग 13.95% थे और सिख धर्म को मानने वाले 2.34% , ईसाई धर्म (0.37%), बौद्ध धर्म (0.15%) और जैन धर्म को मानने वाले लोग थे।(0.09%) .

कला एवं शिल्प के बारे में-उत्तराखंड की भूमि कारीगरों और कला और शिल्प की विविधता से भरी हुई है। ग्रामीण और शहरी दोनों लोग कुछ अविश्वसनीय शिल्पों के उत्पादन/निर्माण में लगे हुए हैं जो देखने लायक हैं। लकड़ी का काम एक महत्वपूर्ण कला है जिसका अभ्यास उत्तराखंड के स्थानीय लोग करते हैं, इसके अलावा, गढ़वाल स्कूल ऑफ ​​पेंटिंग्स की पेंटिंग और एपेण जैसे भित्ति चित्र मूल निवासियों के कौशल को प्रदर्शित करते हैं। इसी नाम के एक पिछड़े समुदाय द्वारा की जाने वाली रिंगाल हस्तकला काफ़ी प्रशंसनीय है।

साक्षरता के बारे में-2011 की जनगणना के अनुसार,



उत्तराखंड की साक्षरता दर 79.63% है, जिसमें पुरुषों की साक्षरता दर 88.33% और महिलाओं की साक्षरता दर 70.70% है। साक्षरता के मामले में राज्य भारत में 17वें स्थान पर है।

जीवन शैली-उत्तराखंड में जीवनशैली विषम है और कोई भी राज्य में शहरी और ग्रामीण जीवन के बीच अंतर को देख सकता है। चूंकि उत्तराखंड में पहाड़ी और मैदानी दोनों इलाके शामिल हैं, जो अंततः राज्य में जीवनशैली का सीमांकन करते हैं, और फिर पहाड़ी में

हस्तक्षेप से, उत्तराखंड के कई ग्रामीण क्षेत्र जैविक उत्पाद, हस्तशिल्प और होमस्टे बेचकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। अर्थव्यवस्था का स्रोत-राजस्व के लिए उत्तराखंड काफी हद तक अपनी कृषि पर निर्भर है। बासमती चावल, गेहूं, सोयाबीन, मूंगफली, मोटे अनाज, वाले और तिलहन राज्य में सबसे अधिक उगाई जाते वाली फसलें हैं। सब्ज, संतरे, नाशपाती, आड़ू, लीची और प्लम जैसे फल भी हैं जो राज्य में व्यापक रूप से उगाए जाते हैं और अच्छी मात्रा में राजस्व लाते हैं। अर्थव्यवस्था के स्रोत के लिए अन्य प्रमुख उद्योगों में पर्यटन और जलविद्युत, और हाल ही में आईटी, आईटीईएस, जैव प्रौद्योगिकी, फर्मास्यूटिकल्स और ... में विकास शामिल हैं।

पुरानी और नई पीढ़ी के कपड़े/वेशभूषा के बारे में- उत्तराखंड में महिलाओं की पारंपरिक पोशाक सारंगो है, जो एक मेंटल-प्रकार की पोशाक है, जो ब्लाउज और ओढ़नी और खोपरी से कसी हुई है। वही शायदियों या खास मौकों पर देशी महिलाएं आकर्षक रंगवाली पिछोड़ा या घाघरा चोली पहने नजर आती हैं। त्योहारों/विशेष अवसरों के दौरान महिलाओं द्वारा एक बड़ी नाक की अंगुठी (नथ) और गालोबड़े नामक हार भी पहना जाता है। रंगवाली पिछोरा विवाहित महिलाओं द्वारा पहनी जाने वाली पोशाक है क्योंकि यह समृद्धि का प्रतिनिधित्व करती है।



डॉलर पर निर्भरता कम करनी होगी...तेहरान से भारत के लिए निकलते पेजिशिकयान ने ट्रंप को चिढ़ाने वाला दिया बयान

ब्रिक्स और SCO जैसे मल्टीलेटरल संगठनों में ईरान के साथ मिलकर काम करने की भारत की तत्परता को दोहराते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के साथ द्विपक्षीय व्यापार के रास्तों को "बढ़ाने और उनमें विविधता लाने" के लिए नई दिल्ली के संकल्प को जाहिर किया। साथ ही, उन्होंने कई क्षेत्रों में ऐतिहा"सिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए देश की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। इससे पहले, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने इस बात पर जोर दिया था कि तेहरान नई दिल्ली के साथ अपने पुराने संबंधों को कितनी अहमियत देता है।

बिश्केक, किर्गिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) समिट के दौरान राष्ट्रपति पेजेशिकियन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हाल ही में हुई द्विपक्षीय बातचीत का ज़िक्र करते हुए, बघाई ने फिर से कहा कि ईरान आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए भारत के साथ कूटनीतिक बातचीत का लाभ उठाने की योजना बना रहा है।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशिकियन शुक्रवार को ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए तेहरान से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए; वे आज ही प्रधानमंत्री मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक



भी करेंगे। रवाना होने से पहले ईरान के राष्ट्रपति ने कहा, "ब्रिक्स का मकसद एकतरफ़ावाद का मुकाबला करना है और मौजूदा समिट का नारा भी इसी दायरे में है; हमें उम्मीद है कि हम दिन-ब-दिन इस मकसद के करीब पहुंचेंगे। बेशक, हम

जानते हैं कि आर्थिक मुद्दे जटिल हैं और दुनिया में तानाशाही और एकतरफ़ावाद को कम करने के लिए हमें नए तरीकों की जरूरत है।" ISNA के मुताबिक, भारत आने से पहले ब्रिक्स समिट की अहमियत का ज़िक्र करते हुए ईरान के राष्ट्रपति ने कहा, "आज़ादी, एकजुटता, स्थिरता, प्रतिरोध और इनोवेशन इस समिट के नारे हैं और इस समिट में आर्थिक, वित्तीय, औद्योगिक और व्यापारिक मुद्दों पर चर्चा होगी।

ब्रिक्स ढांचे के भीतर एक विशेष बैंक का गठन किया गया है, और हम देशों से निवेश देखने जा रहे हैं ताकि देशों और सदस्यों के बीच डॉलर पर निर्भरता के बिना बातचीत हो सके, जिससे डॉलर के साथ अमेरिका के अधिनायकवाद को कम किया जा सके।" ईरानी राष्ट्रपति, जिन्होंने पहले बिखशेक में एससीओ शिखर सम्मेलन के मौके पर पीएम मोदी से मुलाकात की थी,

शुक्रवार को बाद में होने वाले द्विपक्षीय कार्यक्रम के साथ अपनी व्यस्तताओं को जारी रखेंगे। राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि ईरान और भारत के बीच दीर्घकालिक संबंध हैं और वे अपनी समानताओं का विस्तार कर सकते हैं।

क्लाउड AI का इस्तेमाल कर रहे हैं हूथी विद्रोही, एन्थ्रोपिक द्वारा जारी 154 पन्नों की श्रेट इंटेलिजेंस रिपोर्ट में सनसनीखेज खुलासा

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के खतरनाक और गलत इस्तेमाल को लेकर वैश्विक सुरक्षा जगत में हड़कंप मच गया है। अमेरिकी टेक कंपनी एन्थ्रोपिक द्वारा जारी 154 पन्नों की श्रेट इंटेलिजेंस रिपोर्ट में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि यमन के ईरान-समर्थित हूथी विद्रोहियों ने गाइडेड मिसाइलों, रॉकेटों और हाइपरसोनिक हथियारों के लिए सॉफ्टवेयर तैयार करने के वास्ते कंपनी के AI चैटबॉट 'क्लाउड' (Claude) का सहारा लिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि आतंकवादी संगठनों, आपराधिक गिरोहों और कई देशों की सरकारों ने जैविक हथियार तैयार करने, साइबर जासूसी करने और प्रोपेगेंडा फैलाने के लिए एन्थ्रोपिक के अत्याधुनिक AI मॉडल का दुरुपयोग करने का प्रयास किया है।



में जुटी थी: गाइडेड रॉकेट प्रोग्राम: इसमें फ़ेन-क्लास पलाइट कंयूटर और होमिंग गाइडेड तकनीक का इस्तेमाल किया गया। मल्टीस्टेज बैलिस्टिक मिसाइल: 2,000 किलोमीटर से अधिक मारक क्षमता वाली मिसाइल। "R2000" प्रोजेक्ट: इसके तहत हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल वाली अत्याधुनिक मिसाइलों का निर्माण। उग्रवादियों ने उड़ने वाले वाहनों को दिशा देने

और स्थिर रखने वाले गाइडेड, नेविगेशन और कंट्रोल (GNC) सॉफ्टवेयर को लिखने, टयून करने और पलाइट सिमुलेशन चलाने के लिए 'क्लाउड कोड' का व्यापक इस्तेमाल किया। एक चौकाने वाली बात यह सामने आई कि यमन के एक समूह ने गाइडेड रॉकेट और अन्य मिसाइल प्रोग्राम के लिए गाइडेड, नेविगेशन और कंट्रोल सॉफ्टवेयर पर काम करने के लिए 'क्लाउड कोड' का इस्तेमाल किया। हालांकि एन्थ्रोपिक ने इसमें शामिल समूह का नाम नहीं बताया, लेकिन रिपोर्ट की जानकारी हूथी गुट की ओर इशारा करती है, जिसने मिसाइलों और ड्रोन का बड़ा जखीरा तैयार किया है। एन्थ्रोपिक ने कहा कि ये "खतरा पैदा करने वाले लोग" (श्रेट एक्टर्स) 2,000 किलोमीटर से ज्यादा रेंज वाली बैलिस्टिक मिसाइल और हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल वाली मिसाइल का एक प्रकार भी विकसित कर रहे थे।

ईरान ने मार्को रुबियो के 'प्रॉक्सि' दावे को किया खारिज, हूथियों को बताया स्वतंत्र यमनी गुट

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने गुरुवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के उन आरोपों को खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि यमन का हूथी समूह तेहरान के लिए प्रॉक्सि (प्रतिनिधि) के तौर पर काम करता है। बघाई ने कहा कि यह समूह स्वतंत्र रूप से काम करता है और किसी से आदेश नहीं लेता। ज़पूर एक पोस्ट में, बघाई ने वाशिंगटन पर अपनी सैन्य मौजूदगी और वर्चस्ववादी नीतियों के जरिए इलाके में अस्थिरता फैलाने का आरोप लगाया और इस बात पर जोर दिया कि यमन में स्थायी शांति के लिए बाहरी दखल को खत्म करना जरूरी है। बघाई ने कहा मार्को रुबियो के झूठ तथ्यों की जगह नहीं ले



सकते। अंसारल्लाह यमन का एक स्वतंत्र गुट है जो अपने फैसले खुद लेता है; वह किसी से आदेश नहीं लेता और किसी के लिए प्रॉक्सि के तौर पर काम नहीं करता। मध्य पूर्व में अमेरिकी नीति की आलोचना करते हुए, बघाई ने वाशिंगटन से कहा कि अगर वह इलाके में असल स्थिरता चाहता है तो उसे अपनी सैन्य भागीदारी वापस लेनी

चाहिए। उन्होंने कहा इस इलाके में अस्थिरता की जड़ें अमेरिका के सैन्य दखल और दबदबे वाली नीतियों में हैं। अगर वाशिंगटन सच में शांति चाहता है, तो उसे बस एक आसान कदम उठाना होगा: हमारे इलाके में अपने बुरे और अस्थिरता फैलाने वाले दखल को बंद करना होगा।" यमन के लिए आगे के राजनीतिक रास्ते पर बात करते हुए, बघाई ने जोर दिया कि शांति ज़बरदस्ती या बाहरी दबाव से नहीं मिल सकती; उन्होंने तय कूटनीतिक तरीकों को मानने की बात कही। बघाई ने आगे कहा, "यमन में शांति बमों और बाहरी दबाव से थोपी नहीं जा सकती। इसकी शुरुआत सभी पक्षों की सहमति वाले रोलप्ले के आधार पर सच्ची बातचीत से होती है।

क्या कांग्रेस कश्मीरियों को जेल में देखना चाहती है, वंदे मातरम के पूरे गायन पर कांग्रेस की आपत्ति पर उमर अब्दुल्ला की दो टूक

श्रीनगर में इंटरनेशनल फिल्म फ़ेस्टिवल के उद्घाटन समारोह में 'वंदे मातरम' को पूरा गाए जाने पर कांग्रेस की आपत्ति के बाद, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पलटवार किया है। कांग्रेस ने नेशनल कॉन्फ़रेंस से आग्रह किया था कि वह राष्ट्रीय गीत के केवल दो पद गाने के अपने 1937 के प्रस्ताव का पालन करे। कांग्रेस ने फिल्म फ़ेस्टिवल में इसके पूरे संस्करण को बजाए जाने पर आपत्ति जताई थी और कहा था कि गवर्धन सहयोगी को पार्टी के अपनाए गए रुख का सम्मान करना चाहिए।



पत्रकारों से बात करते हुए अब्दुल्ला ने कांग्रेस की सलाह पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि अब कानून के तहत देश भर में सरकारी कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम' का पूरा गायन अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि इसका पालन न करने पर कार्रवाई हो सकती है। अब्दुल्ला ने कहा कि राष्ट्रीयता को लेकर एक कानून बनाया गया है। 'वंदे मातरम' के सभी छंदों का गायन अनिवार्य हो गया है। यह नियम सिर्फ़

जम्मू-कश्मीर के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए है; यह देश भर में सरकारी कार्यक्रमों के लिए प्रोटोकॉल है। इसका पालन न करने पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सवाल किया कि क्या कांग्रेस चाहती है कि इस मुद्दे पर कश्मीर के लोगों को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़े। उन्होंने अपने सहयोगी से तीखे लहजे में पूछा कि क्या कांग्रेस चाहती है कि

इस मुद्दे पर कश्मीरियों को जेल में डाल दिया जाए? नेशनल कॉन्फ़्रेंस और कांग्रेस 'इंडिया' (INDIA) गठबंधन में सहयोगी हैं और कांग्रेस उमर अब्दुल्ला सरकार को बाहर से समर्थन भी दे रही है। अब्दुल्ला ने आगे कहा कि इंटरनेशनल फिल्म फ़ेस्टिवल के समापन समारोह में राष्ट्रगान और राष्ट्रीत, दोनों ही गाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक पार्टी के तौर पर हमने कभी 'वंदे मातरम' को नहीं अपनाया और न ही भविष्य में ऐसा करेंगे, लेकिन हमें कानूनी नियमों का पालन करना होगा। उनके ये बयान कांग्रेस सांसद के.सी. वेणुगोपाल के 8 सितंबर के उस बयान के बाद आए हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'वंदे मातरम' का पूरा संस्करण भारत के स्वतंत्रता सेनानियों की मिली-जुली और विविधतापूर्ण सोच के साथ "मेल नहीं खाता"। उन्होंने पार्टी के सहयोगियों से यह भी कहा था कि वे राष्ट्रीत के उस संस्करण का पालन करें जिसे कांग्रेस ने 1937 में अपनाया था।

पूरब टाइम्स

जिसे सब छुपाते हैं उसे हम छापते हैं...

वर्ष 15, अंक - 62 RNI/CHHBIL/44259 छत्तीसगढ़ से प्रसारित नं.-1 लोकल दैनिक अखबार

COMPU WORLD
The Complete Computer Shop

CONTACT US:-
Phone : 0788-4060844, 4083358
Cell No. : 9300226476, 9186157570, 9826169140
Email : revikidukan@gmail.com
16/21, Dakshin Gangotri, Circus Ground Road, Supela (C.G.)
154-156, Akash Ganga, Supela, Bhillai (C.G.)

संक्षिप्त समाचार

इंद्रावती भवन की लिफ्ट में आधे घंटे फंसे अधिकारी-कर्मचारी

रायपुर । नया रायपुर स्थित इंद्रावती भवन में शुक्रवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब भवन की लिफ्ट अचानक बीच में बंद हो गई। लिफ्ट में सवार करीब 7 से 8 अधिकारी-कर्मचारी अंदर ही फंस गए। लगभग आधे घंटे तक सभी लोग लिफ्ट के भीतर फंसे रहे, जिसके बाद काफी मशकत कर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला गया। अचानक बीच रास्ते रुक गई लिफ्ट जानकारी के मुताबिक, इंद्रावती भवन में अधिकारी और कर्मचारी रोज की तरह अपने कार्यालयीन कार्यों में व्यस्त थे। इसी दौरान 7 से 8 लोग एक लिफ्ट में सवार हुए। लिफ्ट चलने के कुछ देर बाद अचानक रुक गई और अंदर मौजूद सभी लोग उसमें फंस गए। लिफ्ट के अचानक बंद होने से अंदर मौजूद लोगों में घबराहट की स्थिति बन गई। घटना की जानकारी जैसे ही भवन में मौजूद अन्य कर्मचारियों और संबंधित लोगों को मिली, उन्हें बाहर निकालने की कोशिश शुरू कर दी गई।



सीमंधर जैन मंदिर में 14 महास्वर्णों का पूजन और दादागुरुदेव की बड़ी पूजा

महावीर स्वामी का पालना गोलछ परिवार ने बधाया रायपुर। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर भैरव सोसायटी में महावीर जन्मवाचन के अवसर पर पालना महोत्सव व 14 स्वर्णों का पूजन दादागुरुदेव की बड़ी पूजा धूमधाम से हुई। प्रभु महावीर स्वामी के पालना की पूजन का चढ़ावा रमेश अनुराग अंकिता आन्या अंकन गोलछ परिवार 144 एवेन्यु अमलीडीह ने लिया है। प्रातः 9.30 बजे सीमंधर स्वामी जैन मंदिर से गोलछ परिवार बाजे गाजे व श्रीसंध के साथ पालना व चौदह महास्वर्णों को बधा कर स्व निवास ले जाकर पूजन किया।



राज्यपाल श्री डेका ने विद्यार्थियों से किया संवाद, दिए सफलता के मंत्र

रायपुर। राज्यपाल रमन डेका से आज लोक भवन में सैनिक स्कूल अंबिकापुर के विद्यार्थियों ने भेंट की और संवाद किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने विद्यार्थियों को सफलता के लिए अनुशासन, आत्मनियंत्रण और कठोर परिश्रम को जीवन का आधार बनाने की प्रेरणा दी। 'सफलता का आधारभूत बिंदु अनुशासन है सैनिक स्कूल' राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि विद्यार्थी सीभार्यशाली हैं कि उन्हें सैनिक स्कूल जैसी उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्था में अध्ययन करने का अवसर मिला है। सैनिक स्कूल में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अनुशासन, समय की पाबंदी तथा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का महत्व भी सिखाया जाता है। उन्होंने कहा कि सफलता का आधारभूत बिंदु अनुशासन है।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि वर्तमान समय में पढ़ाई, नौकरी और करियर को लेकर तनाव एक बड़ी चुनौती है। तनाव का सामना करने के लिए हमें जो प्राप्त है, उसमें संतुष्ट रहना सीखना होगा। अपनी क्षमताओं को पहचानकर उसी के अनुरूप कार्य करना चाहिए। मन को नियंत्रित रखते हुए अपनी योग्यता और ऊर्जा को सही दिशा में लगाएंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी।



'लक्ष्य को निर्धारित करें और उसे प्राप्त करने के लिए पूरी लगन एवं मेहनत से प्रयास करें' राज्यपाल ने कहा कि कठोर परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है। योग्यता के साथ यदि निरंतर मेहनत की जाए तो सफलता प्राप्त करने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने लक्ष्य को निर्धारित करें और उसे प्राप्त करने के लिए पूरी लगन एवं मेहनत से प्रयास करें। गुरुजनों और पालकों की बातों को गंभीरता से सुनें, लेकिन निर्णय लेते समय अपने तर्क और बुद्धि का भी प्रयोग करें। उन्होंने विद्यार्थियों को

अपनी 'थिंकिंग प्रोसेस' को हमेशा सक्रिय रखने की सलाह दी। संवाद के दौरान विद्यार्थियों ने राज्यपाल से उनके जीवन, करियर और सार्वजनिक जीवन से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे। राज्यपाल ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का सहजता से उत्तर देते हुए उन्हें अपने संवैधानिक पद के दायित्वों की जानकारी दी तथा अपने सार्वजनिक जीवन की यात्रा के अनुभव भी साझा किए। सैनिक स्कूल के विद्यार्थियों को लोक भवन का भ्रमण भी कराया गया। इस अवसर पर सैनिक स्कूल अंबिकापुर के शिक्षकगण भी उपस्थित थे।

अपनी 'थिंकिंग प्रोसेस' को हमेशा सक्रिय रखने की सलाह दी। संवाद के दौरान विद्यार्थियों ने राज्यपाल से उनके जीवन, करियर और सार्वजनिक जीवन से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे। राज्यपाल ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का सहजता से उत्तर देते हुए उन्हें अपने संवैधानिक पद के दायित्वों की जानकारी दी तथा अपने सार्वजनिक जीवन की यात्रा के अनुभव भी साझा किए। सैनिक स्कूल के विद्यार्थियों को लोक भवन का भ्रमण भी कराया गया। इस अवसर पर सैनिक स्कूल अंबिकापुर के शिक्षकगण भी उपस्थित थे।

'इशवा लजरी स्पा' सील, आपत्तिजनक सामग्री मिलने के बाद कार्रवाई

संचालक और मैनेजर पर पीटा

एवट के तहत केस

रायपुर। राजधानी के देवेन्द्र नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अनेक गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इशवा लजरी स्पा सेंटर में छापेमारी के बाद इसे सील कर दिया है। यहाँ कार्रवाई पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम ने 11 सितंबर को की। जानकारी के मुताबिक, 10 सितंबर 2026 को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस टीम ने देवेन्द्र नगर क्षेत्र स्थित इशवा लजरी स्पा सेंटर में रेंड की थी। चेकिंग के दौरान पुलिस को वहाँ आपत्तिजनक सामग्री मिली।



बात सामने आई। इसके बाद पुलिस ने स्पा सेंटर के संचालक हरविंदर सिंग गोवर, निवासी टिकरापारा, और मैनेजर मुकेश कुमार वर्मा, निवासी भिलाई-3 के खिलाफ देवेन्द्र नगर थाने में अपराध दर्ज किया। दोनों के खिलाफ अपराध क्रमांक 152/2026 के तहत अनेकित व्यापार निवारण अधिनियम, 1956 (पीटा एक्ट) की धारा 4, 5 और 7 के तहत कार्रवाई की गई है।

पुलिस के अनुसार, जांच और पुछताछ के दौरान स्पा सेंटर के संचालक और मैनेजर द्वारा युवतियों से कथित तौर पर जबरन देह व्यापार कराए जाने की बात सामने आई। इसके बाद पुलिस ने स्पा सेंटर के संचालक हरविंदर सिंग गोवर, निवासी टिकरापारा, और मैनेजर मुकेश कुमार वर्मा, निवासी भिलाई-3 के खिलाफ देवेन्द्र नगर थाने में अपराध दर्ज किया। दोनों के खिलाफ अपराध क्रमांक 152/2026 के तहत अनेकित व्यापार निवारण अधिनियम, 1956 (पीटा एक्ट) की धारा 4, 5 और 7 के तहत कार्रवाई की गई है।

शासकीय नवीन महाविद्यालय लखनपुर में हुआ दीक्षारंभ कार्यक्रम

-पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का किया स्वागत, उज्ज्वल भविष्य के लिए दी शुभकामनाएं -विद्यार्थियों से शिक्षा को समाज और राष्ट्र सेवा से जोड़ने का किया आह्वान रायपुर। शासकीय नवीन महाविद्यालय लखनपुर में सत्र 2026-27 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए शुक्रवार को 'दीक्षारंभ कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माननीय मंत्री राजेश अग्रवाल शामिल हुए और उन्होंने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महाविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों में नए शैक्षणिक सत्र को लेकर उत्साह और उमंग देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों का स्वागत किया गया तथा उन्हें महाविद्यालयीन जीवन की नई यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी गई। मंत्री श्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें प्रोत्साहित किया तथा नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं



का स्वागत किया। मंत्री राजेश अग्रवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालय में प्रवेश जीवन के एक महत्वपूर्ण पड़ाव की शुरुआत है। विद्यार्थी इस अवसर को केवल पढ़ाई और परीक्षा तक सीमित न रखें, बल्कि अपने व्यक्तित्व, ज्ञान और क्षमताओं के विकास के लिए इसका उपयोग करें। उन्होंने कहा कि आज का विद्यार्थी ही आने वाले

समय में समाज और देश की दिशा तय करेगा। इसलिए विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति गंभीर रहते हुए अनुशासन, मेहनत और सकारात्मक सोच को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। महाविद्यालयीन जीवन विद्यार्थियों को अपने सपनों को पहचानने और उन्हें साकार करने का अवसर देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी रुचि के क्षेत्र में निरंतर सीखते रहें, नई चुनौतियों को अवसर के रूप में स्वीकार करें और अपने माता-पिता, गुरुजनों तथा क्षेत्र का नाम रोशन करने का प्रयास करें। श्री अग्रवाल ने कहा कि ग्रामीण और छोटे शहरों से आने वाले विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता है तो केवल उसे सही दिशा देने और निरंतर प्रयास करने की।

जनभागीदारी से 'सेवा संकल्प अभियान' को भव्य और व्यापक स्वरूप दें - प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल

-17 सितंबर से 17 अक्टूबर

तक जिलेभर में होंगे विविध आयोजन, तैयारियों की हुई समीक्षा

-जिला मुख्यालय से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक प्रभावी आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले एक माह के इस अभियान को शासन, प्रशासन और जनभागीदारी के समन्वित प्रयासों से भव्य, व्यापक और प्रभावी स्वरूप के लिए सामूहिक प्रयास करना होगा। प्रभारी मंत्री दयाल दास बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के जनसेवा, नेतृत्व एवं समर्पण की यात्रा के प्रति आभार व्यक्त करने तथा विकसित भारत-2047 के सामूहिक संकल्प को जनभागीदारी के माध्यम से सशक्त बनाने

के उद्देश्य से 'सेवा संकल्प अभियान' आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान की तिथिवार कार्ययोजना के अनुरूप सभी कार्यक्रम निर्धारित समय पर आयोजित किए जाएं तथा प्रत्येक विभाग अपने दायित्वों का बेहतर समन्वय के साथ निर्वहन करे। उन्होंने कहा कि अभियान का आयोजन जिला मुख्यालय सहित जनपद पंचायत, तहसील, नगर पंचायत, प्रमुख कस्बों एवं ग्राम पंचायत स्तर तक व्यापक रूप से आयोजित किए जाएं। अभियान में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों, शैक्षणिक संस्थाओं, स्व-सहायता समूहों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। प्रभारी मंत्री श्री बघेल ने कहा कि केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव को 'सेवा की कहानी' के रूप में संकलित कर आमजन तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं से लोगों के जीवन में आए वास्तविक परिवर्तन की प्रेरक कहानियां अभियान को और अधिक प्रभावी बनाएंगी।



प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ सुश्री अनुपमा आनंद ने बैठक में बताया कि जिले में 'सेवा संकल्प अभियान' की आवश्यक तैयारियां अंतिम चरण में हैं। व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न स्तरों पर बैठकों का आयोजन किया जा चुका है तथा दिन एवं तिथिवार कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा अभियान के सफल संचालन के लिए सभी विभागों में नोडल अधिकारी की नियुक्ति की गई है एवं समन्वय स्थापित कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। बैठक में जिला स्काउट एवं गाइड संघ के अध्यक्ष श्री ऐतराम साहू, वनमंडलाधिकारी श्रीनिवास एन.टी. सहित जिला स्तरीय अधिकारी

मौजूद थे। 17 सितंबर की शाम 'आशीर्वाद का दीया' से होगा अभियान का शुभारंभ 'सेवा संकल्प अभियान' का शुभारंभ 17 सितंबर की शाम 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम से होगा। इसके माध्यम से आम नागरिकों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करने तथा विकसित भारत-2047 के संकल्प से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। शासकीय योजनाओं के लाभार्थियों की सहभागिता के साथ जिले के प्रमुख जन आस्था, धार्मिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, विरासत एवं सार्वजनिक महत्व के स्थलों पर भी विशेष गतिविधियां आयोजित करने का अवसर देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी रुचि के क्षेत्र में निरंतर सीखते रहें, नई चुनौतियों को अवसर के रूप में स्वीकार करें और अपने माता-पिता, गुरुजनों तथा क्षेत्र का नाम रोशन करने का प्रयास करें। श्री अग्रवाल ने कहा कि ग्रामीण और छोटे शहरों से आने वाले विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता है तो केवल उसे सही दिशा देने और निरंतर प्रयास करने की।